गैरसैंण, रविवार
23 नवम्बर 2025
वर्ष: 17
अंक: 191 पृष्ठ: 4
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

धारदार हथियार से युवक का गला काटकर आरोपी फरार

देहरादून। भंडारीबाग, सिंघल मंडी स्थित निर्माणाधीन रेलवे ओवरब्रिज के पास युवक के गले पर धारदार हथियार से हमला कर तीन आरोपी फरार हो गए। हमले में युवक के गले में गहरा घाव हुआ और उसका उपचार चल रहा है। शिकायत पर शहर कोतवाली पुलिस ने केस दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी है। शहर कोतवाल प्रदीप पंत ने बताया कि घटना गुरुवार रात साढ़े आठ बजे की है। 18 वर्षीय शहरान निवासी कुसुम विहार, सिंघल मंडी ओवरब्रिज के पास से पैदल गुजर रहा था। आरोप है कि इस दौरान तीन युवक बाइक से आए। बाइक पर आगे बाबा लिखा था।

उनमें एक पीछे से आकर शहरान के गले पर ब्लेड की तरह धारदार हथियार से हमला किया। इसके बाद तीनों फरार हो गए। शहरान लहूलुहान होकर मौके पर गिर गया। उसे उपचार के लिए दून अस्पताल में भर्ती कराया गया। शुक्रवार को शहरान के पिता राशिद अली ने पुलिस को तहरीर दी। कोतवाल पंत ने बताया कि मामले में हमले की धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई। आरोपियों की पहचान के लिए रूट के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

टैंपो टैवलर्स के चालक की तबियत बिगड़ी, मौत

देहरादून। हरिद्वार से मसूरी पर्यटकों को घुमाने लेकर आये टेंपों टेवलर्स के चालक की तबियत बिगड़ने के बाद मौत हो गई। सिविल अस्पताल मसूरी से पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि रेहान उम्र 30 वर्ष पुत्र शौकत निवासी झक्कड़, थाना पथरी, जनपद हरिद्वार को गंभीर अवस्था में अस्पताल लाया गया। सूचना पर चीता लंढौर को तत्काल सिविल अस्पताल भेजा गया, जहाँ उपचार के दौरान रेहान पुत्र शौकत की मृत्यु हो गई। प्रभारी निरीक्षक देवेंद्र चौहान ने बताया कि चालक रेहान टेंपो ट्रैवलर से यात्रियों को लेकर भट्टा फॉल आया था। पर्यटकों को उतार कर वह आराम कर रहा था। इसी दौरान अचानक उसके सीने में तेज दर्द हुआ। जिसे पहले भट्टा गांव स्थित आयुर्वेदिक अस्पताल ले जाया गया। वहां से उसे 108 के माध्यम से लंढौर उप जिला चिकित्सालय लाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम करने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया । पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद अग्रिम कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

तेज रफ्तार कंटेनर की टक्कर से किशोरी की मौत

देहरादून। पटेलनगर थाना क्षेत्र के शिमला बाईपास रोड पर बीते आठ नवंबर की शाम तेज रफ्तार कंटेनर की टक्कर से स्कूटर पर बैठी 16 वर्षीय किशोरी की मौत हो गई। स्कूटर चला रहा किशोरी का भाई घायल है। मामले में 20 नवंबर को मिली शिकायत पर पटेलनगर कोतवाली पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना शिमला बाईपास स्थित भारत फर्नीचर के पास हुई। नरेंद्र गुलाटी ने तहरीर देते हुए कहा कि बेटी मुस्कान गुलाटी, बेटे अक्षय गुलाटी के साथ स्कूटर से बड़ोवाला से घर गणेशपुर लौट रही थी। इसी दौरान देहरादून की ओर से आ रहे कंटेनर के चालक ने तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाते हुए स्कूटर में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मुस्कान की मौके पर मौत हो गई। अक्षय गुलाटी को भी चोटें आई। इंस्पेक्टर पटेलनगर सीबीएस अधिकारी ने बताया कि मृतका के पिता नरेंद्र गुलाटी मूल निवासी बड़कोट, उत्तरकाशी की शिकायत पर आरोपी कंटेनर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी गई है।

बढ़ने लगी ठंड, तापमान में गिरावट और धुंध ने बढ़ाई मुश्किलें

नोएडा ,राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में मौसम ने करवट बदल ली है। नवंबर के अंतिम सप्ताह के साथ ही ठंड ने दस्तक देनी शुरू कर दी है और तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में सुबह और देर रात के समय ठंड और बढ़ेगी, जबकि घनी धुंध से दृश्यता पर भी असर पड़ेगा। गुरुवार और शुक्रवार की तुलना में शनिवार और रविवार को अधिकतम तापमान में स्पष्ट गिरावट दिखाई देगी। जहां कुछ दिन पहले तक दिन का अधिकतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस तक बना हुआ था, वहीं अब यह घटकर 24,25 डिग्री तक पहुंचने की संभावना है।

उत्तराखंड में सरकारी राशन की दुकानों से ई केवाईसी के बिना भी मिलेगा अनाज

देहरादून। सरकारी राशन की दुकान से राशन लेने के लिए फिलहाल ई केवाईसी की बाध्यता नहीं है। 30 नवंबर तक लोग अपने राशन कार्ड का ब्योरा और अपना विवरण जमा करा सकते हैं। शनिवार को खाद्य मंत्री रेखा आर्या ने ई केवाईसी से छूटे लोगों को भी उनका राशन देने के निर्देश दिए। आर्या ने बताया कि जनता से संवाद के दौरान कई लोगों इसकी शिकायत की थी। लोगों का कहना है कि राशन की दुकान पर मशीन में अंगूठा या रेटिना स्कैन नहीं होने से उन्हें राशन नहीं दिया जा रहा है। कई बार घर के मुखिया के रोजगार के चलते बाहर होने के कारण उनकी ई केवाईसी अभी तक नहीं हो पाई है। कुछ अत्यंत बुजुर्ग और असाध्याय रोगों से पीड़ित लोगों की भी केवाईसी नहीं हो पाई है। आर्या ने बताया कि खाद्य आयुक्त की ओर से शनिवार को सभी जिला पूर्ति अधिकारियों को आदेश जारी कर दिए गए हैं। जिन लोगों की ई केवाईसी नहीं हुई है, उनका राशन नहीं रोका जाएगा। ऐसे परिवारों की ई केवाईसी करने के लिए उन्हें अतिरिक्त समय दिया जाएगा। राशन विक्रेताओं के बकाया लाभांश का भुगतान 3 दिन के भीतर करने के निर्देश जारी किए गए हैं। मालूम हो कि वर्तमान में प्रदेश के सभी जिलों में राशन कार्ड धारकों की ई केवाईसी करने का काम चल रहा है। इसके लिए केंद्र सरकार ने 30 नवंबर को अंतिम तारीख घोषित किया है, लेकिन प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में अभी बड़ी संख्या में ई केवाईसी नहीं हो पाई है।

हिमाचल में पंचायतीराज संस्थाओं के चुनाव में खर्च होंगे 25 करोड़ रुपये

शिमला ,हिमाचल प्रदेश में पंचायतीराज संस्थाओं के चुनाव में 25 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। राज्य निर्वाचन आयोग ने खर्चे का आकलन लगा लिया है। कर्मचारियों की ड्यूटी, सरकारी मशीनरी, पेपर छपाई और कर्मचारियों के टीए–डीए में यह राशि खर्च होती है। सरकारी कर्मचारी और अधिकारी चुनाव नतीजे घोषित होने तक आयोग के पास डेपुटेशन पर रहते हैं। चुनावी प्रक्रिया खत्म होने के बाद ये अपने विभाग लौटते हैं। आयोग से मिली जानकारी के मुताबिक सबसे ज्यादा ड्यूटियां शिक्षा विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों और शिक्षकों की लगती हैं। चूंकि ज्यादातर पोलिंग स्टेशन स्कूलों में ही होते हैं। इसके बाद पुलिस और होमगार्ड के जवान रहते हैं। कर्मचारियों के खाने और रहने का इंतजाम आयोग की तरफ से किया जाता है। सरकार की तरफ से इसके लिए राशि जारी की जाती है। उल्लेखनीय है कि पंचायतीराज संस्थाओं के चुनाव का सारा खर्चा प्रदेश सरकार को उठाना होता है। पंचायतीराज संस्थाओं का पांच साल का कार्यकाल खत्म होने के चार महीने पहले आयोग तैयारियां शुरू कर देता है।

फाइलों में देरी न हो, निर्णय लक्ष्य आधारित हों : धामी

जनता के विश्वास को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की आवश्यकता, मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री आवास पर हुई आईएएस अधिकारियों की अनौपचारिक बैठक

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में शनिवार को मुख्यमंत्री आवास में उत्तराखंड के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों की एक अनौपचारिक बैठक आयोजित की गई। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि प्रशासन को तेजी और पारदर्शिता के साथ काम करना होगा। हर योजना और निर्णय लक्ष्य आधारित और जन-केंद्रित होना चाहिए। व्यवस्था ऐसी बने कि फाइलों का निस्तारण समयबद्ध हो। योजनाओं का प्रभाव जमीनी स्तर पर तुरंत दिखाई दे, हर प्रक्रिया में जवाबदेही स्पष्ट हो। बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह किसी औपचारिक संबोधन का अवसर नहीं है, बल्कि उनकी प्रशासन के लिए संवेदनशील और आत्मीय भावनाओं को साझा करने का अवसर है। कहा कि उत्तराखंड ने अपनी 25 वर्ष की यात्रा में अनेक चुनौतियों का सामना किया है और इन उपलब्धियों के पीछे राज्य के प्रशासनिक तंत्र की कड़ी मेहनत, निष्ठा और दूरदर्शिता का महत्वपूर्ण योगदान है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सभी ने कठिन परिस्थितियों में भी उत्कृष्ट नेतृत्व क्षमता और संवेदनशील प्रशासन का परिचय दिया है। कहा कि यह समय अधिक गति, अधिक दृढ़ता और अधिक संकल्प के साथ काम करने का है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शब्द ह्ये दशक उत्तराखंड का दशक हैह्व का उल्लेख करते हुए कहा कि इस संकल्प को साकार करना उत्तराखंड के प्रशासन का दायित्व है। उन्होंने कहा कि आने वाले पांच वर्ष उत्तराखंड के लिए निर्णायक होंगे और हमें राज्य को ऐसे मोड़ पर लेकर जाना है, जहां हर नागरिक यह महसूस करें कि राज्य निर्णायक और सकारात्मक परिवर्तन से गुजर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार विकल्प रहित संकल्पह्व के मंत्र के साथ उत्तराखंड को देश के अग्रणी राज्यों में शामिल करने के लिए कार्यरत है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अधिकारी निष्ठा, मेहनत और संकल्प के साथ इस लक्ष्य को प्राप्त करने में अग्रणी भूमिका निभाते रहेंगे।

ये केवल नौकरी नहीं, समाज सेवा का दायित्व है

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अधिकारियों को उनकी मूल भावना का स्मरण कराते हुए कहा कि उन्होंने यह सेवा धन, पद या सुरक्षा के लिए नहीं चुनी होगी, बल्कि राष्ट्र एवं समाज के लिए कुछ करने की भावना से चुनी होगी। कहा कि अधिकारियों के निर्णय सीधे लाखों लोगों को प्रभावित करते हैं। इसलिए संवेदनशीलता, दूरदृष्टि और तथ्यपरक सोच अत्यंत आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कभी–कभी जनता की शिकायतें प्रशासन की छवि को आहत करती हैं। लालफीताशाही, शिकायत न सुने जाने और फाइलों में अनावश्यक देरी जैसी बातें व्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव डालती हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को जनता के विश्वास को सर्वोपरि रखना चाहिए।

पद की प्रतिष्ठा कार्यकाल तक

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशासनिक इतिहास में सूर्यप्रताप सिंह, टी. एन. शेषन, नृपेंद्र मिश्र जैसे अनेक अधिकारी ऐसे रहे हैं जिन्होंने अपनी ईमानदारी, संकल्प और जनसेवा के माध्यम से समाज में स्थायी छाप छोड़ी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पद की प्रतिष्ठा कार्यकाल तक है, लेकिन कार्यों का सम्मान आजीवन रहता है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे अपने पद को केवल नौकरी नही, बल्कि समाज सेवा का पवित्र अवसर समझें।

उदासीनता की कोई जगह नहीं

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि आज के 'नए भारत' में उदासीन कार्यशैली बर्दाश्त नहीं की जाती। उन्होंने निर्देश दिए कि कोई भी कार्य अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए। निर्णय तेजी और सूझबूझ से लिए जाएं। सभी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पारदर्शिता और समयबद्धता से पहुंचे। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को अपने क्षेत्रों में मासिक समीक्षा, निरंतर मॉनिटरिंग और साइट निरीक्षण को सुनिश्चित करना चाहिए।

दिल्ली ब्लास्ट : आतंकी डॉ. उमर के साथी जसीर वानी ने एनआईए कोर्ट में दाखिल की अर्जी

अपने वकीलों से मिलने की इजाजत मांगी

नई दिल्ली ,दिल्ली ब्लास्ट को अंजाम देने वाले आतंकी डॉ. उमर मुहम्मद के साथी जसीर बिलाल वानी ने एनआईए कोर्ट में एक अर्जी देकर एजेंसी हेडक्वार्टर में अपने वकीलों से मिलने की इजाजत मांगी है। सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। पटियाला हाउस एनआईए कोर्ट शनिवार को वानी की अर्जी पर सुनवाई करेगी। एनआईए ने जसीर बिलाल वानी को आतंकवादी डॉ. उमर का एक्टिव को–कॉन्स्पिरेटर बताया है। उसे 17 नवंबर को श्रीनगर से गिरफ्तार किया गया था।

पटियाला हाउस कोर्ट ने 18 नवंबर को जसीर बिलाल वानी को 10 दिन की एनआईए कस्टडी में भेज दिया था। एनआईए ने वानी को दिल्ली ब्लास्ट के सिलसिले में कोर्ट में पेश किया, जिसमें 13 लोगों की जान चली गई थी।

एजेंसी के मुताबिक, जांच में पता चला है कि उसने कथित तौर पर आतंकवादी हमले करने के लिए टेक्निकल मदद दी थी। खबर है कि वह जानलेवा कार बम ब्लास्ट से पहले ड्रोन को मॉडिफाई करने और रॉकेट बनाने की कोशिश में शामिल था। आरोपी जम्मू–कश्मीर के अनंतनाग जिले के काजीगुंड का रहने वाला है और उसने आतंकवादी डॉ. उमर मुहम्मद नबी के साथ मिलकर आतंकवादी हमले की योजना बनाई और उसे अंजाम दिया था।

एनआईए बम धमाके के पीछे की पूरी साजिश का पता लगाने के लिए कई एंगल से जांच कर रही है। एंटी–टेरर एजेंसी की कई टीमें अलग–अलग सुरागों का पीछा कर रही हैं और हमले में शामिल हर व्यक्ति की पहचान करने की कोशिश में कई राज्यों में तलाशी ले रही हैं।

इस बीच, पुलिस 10 नवंबर को दिल्ली के मशहूर लाल किले के पास हुए धमाके में जैश–ए–मोहम्मद का लिंक जोड़ने में कामयाब रही है। पुलिस को पता चला है कि जैश–ए–मोहम्मद के एक ऑपरेटिव ने ही आरोपियों को बम बनाने का तरीका बताया था।

एक और बड़ा खुलासा यह हुआ है कि आरोपी 200 बम तैयार करने की तैयारी में थे, जिन्हें दिल्ली और उत्तर भारत के दूसरे हिस्सों में एक साथ फोड़ना था। प्लान उत्तर भारत के राज्यों में बम धमाके करने का था, और इसके लिए आईएसआई ने फरीदाबाद मॉड्यूल का हिस्सा रहे आरोपियों को ट्रेनिंग देने के लिए जैश–ए–मोहम्मद के एक ऑपरेटिव को चुना था। अधिकारियों ने टेरर मॉड्यूल की जांच तेज कर दी है।

सूबेदार मेजर को 18 साल पहले बेची जमीन की दोबारा की रजिस्ट्री, केस दर्ज

देहरादून। भारतीय सेना से रिटायर्ड सूबेदार मेजर को नौकरी के दौरान बेची जमीन की आरोपी ने फर्जीवाड़े से किसी अन्य को रजिस्ट्री कर दी। आरोप है कि खरीदारों ने उनका ताला तोड़कर जमीन पर कब्जा ले लिया। शिकायत पर पटेलनगर कोतवाली पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रिटायर्ड सूबेदार मेजर अब्दुर रहीम खान मूल रूप से हरिद्वार जिले के रुड़की निवासी हैं। सेना में नौकरी के दौरान 13 जुलाई 2005 को देहरादून ब्राह्मणवाला में 300 वर्ग फीट जमीन शफीक अहमद से खरीदी थी। जमीन रजिस्ट्री होने के बाद कब्जा लिया और उस पर एक कमरा बना दिया। इसके बाद देहरादून से राजस्थान व अन्य प्रदेशों में पोस्टिंग रहे। इसके चलते देहरादून कम आते थे। अगस्त 2024 में जब वे अपनी संपत्ति देखने पहुंचे तो ताला टूटा मिला और किसी अन्य का ताला लगा था। जांच–पड़ताल से पता चला कि मूल मालिक शफीक अहमद ने मरने से पहले 11 मार्च 2024 को उसी जमीन को 8.18 लाख रूपये में वसीम पुत्र गुलजार (रक्षा विहार, अधोईवाला) को बेच दिया और रजिस्ट्री उपनिबंधक तृतीय देहरादून में करा दी। आरोप है कि शफीक के बेटों साहिल अमन और दानिश के साथ मिल यह फर्जीवाड़ा किया। जब मामला थाने पहुंचा तो जनवरी 2025 में आरोपी पक्ष ने गलती स्वीकार की और रजिस्ट्री निरस्त करने का वादा किया। इसके बाद आरोपी मुकर गए। जून 2025 में जब रिटायर्ड सूबेदार मेजर अपने मकान की मरम्मत करा रहे थे तो दानिश, वाहिद व सोनू ने मजदूरों को धमकाया और काम रुकवा दिया।

जोहान्सबर्ग में पीएम मोदी और मेलोनी की केमिस्ट्री ने बटोरी सुर्खियां

गर्मजोशी से मिले दोनों नेता

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में आयोजित त्र20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने पहुंचे, जहां उनकी मौजूदगी ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। इस वैश्विक मंच पर पीएम मोदी बेहद आकर्षक अंदाज में नजर आए। सम्मेलन के दौरान सबसे ज्यादा चर्चा पीएम मोदी और इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की मुलाकात की रही। दोनों नेता एक–दूसरे का अभिवादन करते हुए और बेहद गर्मजोशी के साथ हाथ मिलाते हुए दिखाई दिए। दोनों प्रधानमंत्रियों के बीच हुई इस संक्षिप्त बातचीत और उनकी केमिस्ट्री ने पूरे समिट में सुर्खियां बटोरीं। इस मुलाकात का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसे लोग काफी पसंद कर रहे हैं।

शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी ने न केवल इटली की प्रधानमंत्री से मुलाकात की, बल्कि ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज़ इनासियो लूला डा सिल्वा समेत दुनिया के कई अन्य दिग्गज नेताओं से भी गले मिलकर उनका अभिवादन किया। इससे पहले, शुक्रवार (21 नवंबर) को जब पीएम मोदी जोहान्सबर्ग पहुंचे, तो एयरपोर्ट पर उनका भव्य और जोरदार स्वागत किया गया। एक सांस्कृतिक समूह ने दक्षिण अफ्रीका की परंपरा के अनुसार पारंपरिक नृत्य और संगीत के साथ उनकी अगवानी की और झुककर उन्हें सलाम किया। पीएम मोदी के इस शानदार स्वागत ने इस हाई–लेवल मीटिंग में भारत की भागीदारी की एक सकारात्मक और ऊर्जावान शुरुआत का संकेत दे दिया था। एयरपोर्ट के बाद दक्षिण अफ्रीका में बसे प्रवासी भारतीयों ने पीएम मोदी के सम्मान में एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया। 'रिदम्स ऑफ ए यूनाइटेड इंडियाइ नामक इस विशेष कार्यक्रम में भारत के 11 राज्यों की सांस्कृतिक झलक देखने को मिली। कलाकारों ने केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, गुजरात, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, असम, बिहार, झारखंड और राजस्थान के लोक नृत्यों की प्रस्तुति दी।

चीन ने भारत—पाक जंग को बनाया 'हथियार टेस्टिंग ग्राउंड

राफेल को बदनाम करने की रची थी साजिश; अमेरिका का सनसनीखेज दावा

वाशिंगटन , मई 2025 में हुए भारत–पाकिस्तान संघर्ष को लेकर एक अमेरिकी आयोग ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। 'यूएस–चाइना इकोनॉमिक एंड सिक्योरिटी रिव्यू कमीशनइ की वार्षिक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि चीन ने इस युद्ध का इस्तेमाल अवसरवादी तरीके से अपने हथियारों के परीक्षण और प्रचार के लिए किया। रिपोर्ट के मुताबिक, बीजिंग ने चार दिवसीय इस संघर्ष को अपने आधुनिक हथियारों के लिए एक 'रियल वर्ल्ड फील्ड एक्सपेरिमेंटइ (वास्तविक दुनिया के प्रयोग) के तौर पर देखा और पाकिस्तान को जमकर मदद पहुंचाई।

जंग के मैदान में परखे गए चीनी हथियार

रिपोर्ट में विस्तार से बताया गया है कि यह संघर्ष वह पहला मौका था, जब चीन की आधुनिक हथियार प्रणालियों का वास्तविक युद्ध क्षेत्र में इस्तेमाल किया गया। इस दौरान मुख्य रूप से एचक्यू–9 वायु रक्षा प्रणाली, पीएल–15 हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलें और जे–10 लड़ाकू विमानों की क्षमताओं को परखा गया। आयोग का स्पष्ट कहना है कि इस संघर्ष में चीन का उद्देश्य केवल पाकिस्तान को सैन्य सहायता प्रदान करना नहीं था, बल्कि वह इस युद्ध को एक मंच के रूप में इस्तेमाल कर पूरी दुनिया के सामने अपनी हथियार शक्ति का प्रदर्शन और विज्ञापन करना चाहता था।

राफेल के खिलाफ चलाया 'दुष्प्रचार अभियान

रिपोर्ट में एक और गंभीर आरोप लगाया गया है। चीन ने अपने –35 फाइटर जेट की बिक्री बढ़ाने के लिए फ्रांसीसी राफेल लड़ाकू विमानों को बदनाम करने की साजिश रची। चीन ने फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट्स के जरिए (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) और वीडियो गेम्स से ली गई तस्वीरें फैलाईं। इनमें राफेल के मलबे की फर्जी तस्वीरें दिखाकर यह दावा किया गया कि चीनी हथियारों ने उन्हें नष्ट कर दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, चीनी दूतावास के अधिकारियों ने इसी दुष्प्रचार के दम पर इंडोनेशिया को राफेल खरीदने से रोकने और चीनी जेट लेने के लिए मनाने की कोशिश की।

संघर्ष के तुरंत बाद पाकिस्तान को नई पेशकश

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि युद्ध खत्म होने के तुरंत बाद जून महीने में चीन ने पाकिस्तान को हथियारों का नया जखीरा बेचने की पेशकश कर दी। इसमें 40 35 (पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू जेट)–500 विमान और बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा प्रणाली शामिल थे। चीनी दूतावासों ने अपनी बिक्री बढ़ाने के लिए युद्ध में चीनी सिस्टम की कथित सफलताओं का गुणगान भी किया।

चीन की सफाई: 'रिपोर्ट झूठी और पूर्वाग्रह से ग्रस्त

चीन ने अमेरिकी आयोग की इस रिपोर्ट को सिरे से खारिज कर दिया है। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा, समिति द्वारा जारी की गई रिपोर्ट पूरी तरह झूठी है। इस समिति का चीन के प्रति हमेशा से एक वैचारिक पूर्वाग्रह रहा है और इसकी कोई विश्वसनीयता नहीं है।

सावधान! हिमाचल में बनीं 66 दवाओं के सैंपल मानकों पर नहीं उतरे खरे, वापस मंगवाया स्टॉक

शिमला ,हिमाचल प्रदेश में बनाईं दवाएं फिर मानकों पर सही नहीं पाई गई हैं। अक्तूबर के ड्रग अलर्ट में हिमाचल में बनीं 66 दवाओं के सैंपल मानकों पर खरे नहीं उतरे हैं। देशभर में कुल 211 दवाओं के सैंपल फेल हुए हैं। हिमाचल प्रदेश में बनीं जिन दवाओं के सैंपल फेल हुए हैं, उनमें कैंसर और हार्ट अटैक जैसी गंभीर बीमारियों की भी दवाएं शामिल हैं। वहीं, बुखार, संक्रमण, कैल्शियम, विटामिन, मधुमेह व खांसी की दवा भी शामिल है। अक्तूबर में राज्य प्रयोगशाला के तहत 49 व केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन की ओर से लिए गए 17 दवाइयों के सैंपल मानकों पर सही नहीं पाए गए हैं। ये दवाएं सोलन, बद्दी, नालागढ़, कालाअंब, पांवटा और कांगड़ा के संसारपुर टैरेस की दवा कंपनियों में बनाई गई हैं। राज्य के ड्रग कंट्रोलर मनीष कपूर ने बताया कि जिन दवाओं के सैंपल फेल हुए हैं, उनके लाइसेंस रद्द कर दिए जाएंगे।

बिहार के बाद अब बंगाल पर भाजपा की नजर

कोलकाता : बिहार चुनाव में मिली प्रचंड जीत के बाद उत्साहित भाजपा की नजर अब बंगाल पर है, जहां पांच माह बाद ही विधानसभा चुनाव होने हैं। भाजपा का शीर्ष नेतृत्व साल खत्म होने से पहले पूरी ताकत से बंगाल में चुनाव प्रचार में कूदने जा रहा है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित पार्टी के दूसरे शीर्ष नेता दिसंबर से लगातार बंगाल का दौरा करेंगे।

इस संबंध में केंद्रीय मंत्री और प्रदेश भाजपा के पूर्व अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने कहा कि राज्य नेतृत्व ने प्रधानमंत्री से इस साल बंगाल के विभिन्न हिस्सों में 10 जगहों पर रैली का अनुरोध किया था। इसमें तीन अलग–अलग क्षेत्रों में पीएम की रैलियां हो चुकी है। सुकांत ने कहा कि गृह मंत्री और पार्टी के अन्य शीर्ष नेताओं का भी आगामी दिनों दौरा होगा। बंगाल में पार्टी के केंद्रीय पर्यवेक्षक सुनील बंसल ने कहा कि आगामी दिसंबर माह से राज्य के हर जिले में पार्टी द्वारा तृणमूल कांग्रेस सरकार के कथित कुशासन व भ्रष्टाचार के खिलाफ सड़क पर उतरकर जोरदार विरोध प्रदर्शन भी किया जाएगा।

यूपी में अवैध घुसपैठियों के लिए बनाए जाएंगे डिटेंशन सेंटर, सीएम योगी का बड़ा आदेश

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों को अवैध घुसपैठ पर त्वरित और सख्त कार्रवाई के स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की कानून व्यवस्था, राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक समरसता सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि प्रत्येक जिला प्रशासन अपने क्षेत्र में रहने वाले अवैध घुसपैठियों की पहचान सुनिश्चित करें और नियमानुसार कार्रवाई शुरू करें।

मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिया है कि घुसपैठियों को रखने के लिए प्रत्येक जनपद में अस्थायी डिटेंशन सेंटर बनाए जाएं। इन केंद्रों में विदेशी नागरिकता के अवैध व्यक्तियों को रखा जाएगा और आवश्यक सत्यापन की प्रक्रिया पूरी होने तक वहीं आवास सुनिश्चित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि डिटेंशन सेंटर में रखे गए अवैध घुसपैठियों को तय प्रक्रिया के तहत उनके मूल देश भेजा जाएगा। इन केंद्रों में विदेशी नागरिकता वाले अवैध प्रवासियों को रखा जाएगा और आवश्यक सत्यापन की प्रक्रिया पूरी होने तक वहीं आवास सुनिश्चित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि डिटेंशन सेंटर में रखे गए अवैध घुसपैठियों को तय प्रक्रिया के तहत उनके मूल देश वापस भेजा जाएगा। दरअसल, नेपाल से खुली सीमा साझा करता हैं। जहां दोनों देशों के नागरिक बिना रोक–टोक आ–जा सकते हैं, लेकिन अन्य देशों के लोगों पर जांच लागू होती है। योगी आदित्यनाथ ने तीन नवंबर को बिहार में चुनाव प्रचार के दौरान दावा किया था कि यदि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सत्ता में लौटता है, तो घुसपैठियों को राज्य से बाहर निकाला जाएगा और उनकी संपत्ति गरीबों में बांटी जाएगी।

सिरमौर में दो गौशाला में आग लगने से 60 मवेशियों की मौत

नाहन , हिमाचल प्रदेश में सिरमौर जिले के एक गांव में आग लगने से दो गौशालाएं जलकर राख हो गईं और 60 मवेशियों की मौत हो गई। यह हिमाचल प्रदेश में हाल ही में पशुओं से जुड़ी आग की सबसे दुखद घटनाओं में से एक है। प्रशासन ने प्रभावित परिवार को तुरंत राहत पहुंचाई है। आग श्री लायक राम और उनके बेटे सामी के घर के पास बनी गौशाला में लगी थी। लकड़ी और मेटल शीट से बनी इमारतें तेजी से आग की लपटों में घिर गईं, जिससे बचाव का समय ही नहीं मिला। सिरमौर जिले के शिलाई विधानसभा क्षेत्र के खाड़ी गांव में जब तक आग पर काबू पाया जाता, तब तक 35 बकरियां, 20 भेड़ और 5 मेमने जलकर मर चुके थे। दो जर्सी गायें बुरी तरह जल गईं और उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। शिलाई के एसडीएम जसवाल ने हादसे की पुष्टि करते हुए कहा कि आग लगने का कारण अभी पता नहीं चला है और इसकी जांच चल रही है। उन्होंने कहा कि प्रशासन ने तुरंत राहत के तौर पर 10,000 रूपये जारी किए हैं और प्रभावित परिवार को और मुआवजा देने के लिए सरकार को डिटेल में मामला भेजा जा रहा है।

नौकरीपेशा लोगों को तोहफा : अब 5 साल नहीं, सिर्फ 1 साल की सर्विस पर मिलेगी ग्रेच्युटी

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने देश के करोड़ों कर्मचारियों को बड़ी राहत देते हुए पुराने श्रम कानूनों को बदलकर चार नए लेबर कोड लागू कर दिए हैं। इन बदलावों का सीधा और सकारात्मक असर कर्मचारियों की आर्थिक स्थिति और सामाजिक सुरक्षा पर पड़ेगा। सरकार के इस फैसले से देश के करीब 40 करोड़ कामगारों को अब न्यूनतम वेतन, समय पर सैलरी, नियुक्ति पत्र और स्वास्थ्य सुरक्षा जैसी बुनियादी सुविधाएं कानूनी अधिकार के तौर पर मिलेंगी। सरकार ने स्पष्ट किया है कि उसका उद्देश्य श्रमिकों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के मुताबिक सामाजिक न्याय दिलाना है। नए नियमों में सबसे बड़ा और अहम बदलाव ग्रेच्युटी और ओवरटाइम को लेकर किया गया है। अब तक ग्रेच्युटी पाने के लिए कर्मचारियों को एक संस्थान में 5 साल लगातार काम करना पड़ता था, लेकिन अब 'फिक्स्ड टर्म एम्प्लॉईजइ (अनुबंध पर काम करने वाले) को महज 1 साल की सेवा के बाद ही ग्रेच्युटी पाने की गारंटी मिलेगी। इसके अलावा, काम के घंटों को लेकर भी सख्ती बरती गई है। नए कोड के तहत, अगर कोई कर्मचारी अपनी तय शिफ्ट से ज्यादा काम करता है, तो उसे ओवरटाइम के बदले दोगुना वेतन देने का प्रावधान सुनिश्चित किया गया है, जिससे कामगारों के शोषण पर लगाम लगेगी। सरकार ने सामाजिक सुरक्षा और कार्यस्थल पर समानता पर भी विशेष जोर दिया है। नए नियमों के तहत महिलाओं को पुरुषों के बराबर वेतन और सम्मान की गारंटी दी गई है। वहीं, युवाओं को नौकरी ज्वाइन करते समय नियुक्ति पत्र देना अनिवार्य कर दिया गया है, ताकि उनके साथ कोई धोखाधड़ी न हो। स्वास्थ्य सुरक्षा के लिहाज से 40 साल से अधिक उम्र वाले श्रमिकों को साल में एक बार मुफ्त हेल्थ चेक–अप की सुविधा मिलेगी। साथ ही, जोखिम भरे क्षेत्रों में काम करने वालों को 100 हेल्थ सिक्योरिटी प्रदान की जाएगी।

आपके फ्रिज से आ रही है गंदी बदबू? दूर करने के लिए अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

आज के समय में हर घर में फ्रिज होता ही है, जिसमें रखा हुआ खाना लंबे समय तक ताजा रहता है। हालांकि, कई बार फ्रिज में रखी चीजें सड़ जाती हैं और उनसे गंदी बदबू आने लगती है। यह दुर्गंध पूरे फ्रिज में फैल जाती है और ताजा भोजन को भी खराब कर देती है। अगर आपके फ्रिज से भी गंध आ रही है तो इसे दूर करने के लिए ये घरेलू नुस्खे अपनाए जा सकते हैं।

पुराना खाना फेंक दें

फ्रिज की गंदी बदबू को दूर करने का सबसे पहला स्टेप होना चाहिए उसे खाली करना। उसमें रखा सारा बासी खाना निकालकर फेंक दें। बासी खाना दुर्गंध आने की सबसे बड़ी वजह हो सकती है। बासी सब्जी, पका हुआ भोजन और यहां तक कि दूध आदि भी हटा दें। अपने फ्रिज में केवल वो सामान रखें, जो डिब्बाबंद हो और लंबे समय तक खराब न होने वाला है। इनमें सॉस, मक्खन और मसाले आदि शामिल हो सकते हैं।

फ्रिज को अच्छी तरह से साफ करें

खराब खाना फेंकने के बाद फ्रिज को अच्छी तरह से साफ कर लें। इसके लिए उसे लिक्विड साबुन से रगड़कर साफ करें और पानी से धो लें। स्पंज का इस्तेमाल करके सभी कोनों को भी घिसें, ताकि जमी हुई गंदगी भी साफ हो जाए। अगर फ्रिज के अंदर कोई खाना गिर गया हो या किसी प्रकार के दाग हों तो उसे भी साफ जरूर कर लें। सफाई करने के बाद बदबू कुछ हद तक कम हो जाएगी।

नींबू का इस्तेमाल करें

नींबू दुर्गंध को दूर करने का असरदार नुस्खा हो सकता है, जिसमें एंटी-बैक्टीरियल गुण भी मौजूद होते हैं। इन गुणों की मदद से यह खाद्य पदार्थ हानिकारक बैक्टीरिया का खात्मा करने में सक्षम हो पाता है। फ्रिज को साफ करने के बाद एक तौलिया लेकर उसे नींबू के रस में डुबोएं। अब इससे फ्रिज को अच्छी तरह रगड़ लें। आप एक कटोरी में नींबू के टुकड़े रखकर फ्रिज में रख सकते हैं, ताकि उसकी खुशबू फ्रिज में फैल सके।

बेकिंग सोडा का उपयोग करें

बेकिंग सोडा फ्रिज से दुर्गंध दूर करने का एक प्रभावी और प्राकृतिक तरीका है। यह खाद्य पदार्थ बदबू को सोख लेता है और बैक्टीरिया को खत्म करने में भी मदद कर सकता है। बेकिंग सोडा के डिब्बे को खोलकर या इसे एक कटोरी में निकालकर फ्रिज में रख दें। इसे हर 3 महीने पर बदलते रहें, ताकि आपके फ्रिज से दोबारा दुर्गंध आनी न शुरू हो जाए। आप अपने फ्रीजर में भी इसे रख सकते हैं।

सिरका आएगा काम

अगर आपके फ्रिज से आने वाली दुर्गंध बहुत ज्यादा है तो आप सिरके का इस्तेमाल करने पर विचार करें। इसके लिए पानी में बराबर मात्रा में सिरका मिलाकर घोल तैयार कर लें। अब एक साफ कपड़े को इस घोल में डुबोएं और उसकी मदद से फ्रिज को साफ कर लें। इसकी मदद से गंदी से गंदी बदबू दूर हो जाएगी। इसका कारण है सिरके की तेज खुशबू, जो आपके पूरे फ्रिज में फैल जाएगी।

प्रकृति की तस्वीरें खींचने से मिल सकती है तनाव से मुक्ति, ऐसे करें शुरूआत

प्रकृति की तस्वीरें खींचना एक ऐसी कला है, जो न केवल आपको सुंदर दृश्यों का आनंद देती है, बल्कि तनावमुक्ति का भी एक बेहतरीन तरीका है। इस लेख में हम जानेंगे कि कैसे प्रकृति की फोटोग्राफी आपके मन को शांति और सुकून दे सकती है। हम जानेंगे कि कैसे प्राकृतिक जगहों पर जाकर, वहां की सुंदरता को कैमरे में कैद करके आप अपने मन को शांत कर सकते हैं और तनाव से छुटकारा पा सकते हैं।

प्राकृतिक जगहों पर जाएं

प्रकृति की फोटोग्राफी शुरू करने के लिए सबसे पहले आपको प्राकृतिक जगहों पर जाना होगा। पार्क, जंगल, पहाड़, नदी या समुद्र किनारे जैसी जगहें आपके लिए बेहतरीन होंगी। वहां की हवा में ताजगी होती है और हरियाली आपके मन को सुकून देती है। इसके अलावा प्राकृतिक जगहों पर जाकर आप नई-नई चीजें देख सकते हैं, जो आपके अंदर की रचनात्मकता को उजागर करती हैं। यहां के सुंदर दृश्यों को कैमरे में कैद करना एक अलग ही अनुभव है।

सही समय चुनें

प्रकृति की तस्वीरें खींचने के लिए सही समय का चुनाव बहुत जरूरी है। सुबह का समय या शाम का समय सबसे अच्छा माना जाता है क्योंकि इस समय सूरज की रोशनी बहुत सुंदर होती है। सुबह की धूप में पेड़-पौधे ताजगी भरे दिखते हैं वहीं शाम की धूप में आसमान का रंग बदलता हुआ देखने लायक होता है। इस समय की रोशनी आपके फोटो को एक खास आकर्षण देती है जिससे तस्वीरें और भी खूबसूरत बनती हैं।

उपकरणों का चयन करें

प्रकृति की फोटोग्राफी के लिए सही उपकरणों का चयन करना भी अहम है। अगर आपके पास कैमरा नहीं है तो मोबाइल फोन भी काम कर सकता है। आजकल मोबाइल फोन में अच्छी क्वालिटी वाले कैमरे होते हैं जो प्राकृतिक दृश्यों को बेहतरीन तरीके से कैद कर सकते हैं। इसके अलावा अगर आपके पास कैमरा हो तो उसमें अच्छे लेंस लगवाएं ताकि आप छोटे-छोटे विवरण भी कैद कर सकें जैसे पक्षियों की चोंच, पत्तियों की बनावट आदि।

राजकोषीय नीति से पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र को बढ़ावा

होटल, परिवहन और सांस्कृतिक वस्तुओं की कम दर के कारण भारत के पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र के विकास बहुत बढ़ावा मिला है। इससे भी ज़रूरी बात यह है कि इसने आम यात्री को मज़बूत बनाया है, उनकी जेब में ज़्यादा पैसे आए हैं तथा इससे घूमने–फिरने, व्यवसाय और चिकित्सा पर्यटन पहले से कहीं ज़्यादा सस्ते हो गये हैं। सरल टैक्स, मज़बूत यात्रा अर्थव्यवस्था सालों से, यात्रा ऑपरेटर, होटल और परिवहन सुविधा प्रदाता कई करों, जैसे सेवा कर, वैट और लग्ज़री कर के बीच संतुलन बनाए रखना पड़ता था; जो सभी राज्यों में अलग–अलग होता था। 2017 में जीएसटी आने से कुछ स्पष्टता आई, लेकिन 2025 का सुधार और आगे बढ़ गया है, जिसने सरलीकरण को प्रोत्साहन में बदल दिया है। ?7,500 से कम कीमत वाले होटल के कमरों पर जीएसटी को 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करना परिवर्तनकारी साबित हो रहा है। जैसा कि एक बड़े अखबार के लेख में बताया गया है, इस कदम से मध्य आय–वर्ग के परिवारों और बजट यात्रियों– जो भारत के घरेलू पर्यटन का आधार हैं– के लिए यात्रा काफी सस्ती हो गयी है।

ज्ञान भूषण और डॉ. प्रतीक घोष

भारत में पर्यटन हमेशा घूमने–फिरने से कहीं ज़्यादा रहा है: यह संस्कृतियों के बीच संवाद है, प्रदेशों के बीच एक पुल है और लाखों लोगों के लिए आजीविका का साधन है। फिर भी, दशकों तक, पर्यटन क्षेत्र पर अलग–अलग टैक्स, ज़्यादा लागत और असमान विकास का बोझ रहा। हालाँकि, हाल ही में पेश की गई वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की पुनर्संरचना इस गाथा को फिर से लिखने में मदद कर रही है।

होटल, परिवहन और सांस्कृतिक वस्तुओं की कम दर के कारण भारत के पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र के विकास बहुत बढ़ावा मिला है। इससे भी ज़रूरी बात यह है कि इसने आम यात्री को मज़बूत बनाया है, उनकी जेब में ज़्यादा पैसे आए हैं तथा इससे घूमने–फिरने, व्यवसाय और चिकित्सा पर्यटन पहले से कहीं ज़्यादा सस्ते हो गये हैं। सरल टैक्स, मज़बूत यात्रा अर्थव्यवस्था सालों से, यात्रा ऑपरेटर, होटल और परिवहन सुविधा प्रदाता कई करों, जैसे सेवा कर, वैट और लग्ज़री कर के बीच संतुलन बनाए रखना पड़ता था; जो सभी राज्यों में अलग–अलग होता था। 2017 में जीएसटी आने से कुछ स्पष्टता आई, लेकिन 2025 का सुधार और आगे बढ़ गया है, जिसने सरलीकरण को प्रोत्साहन में बदल दिया है।

7,500 से कम कीमत वाले होटल के कमरों पर जीएसटी को 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करना परिवर्तनकारी साबित हो रहा है। जैसा कि एक बड़े अखबार के लेख में बताया गया है, इस कदम से मध्य आय–वर्ग के परिवारों और बजट यात्रियों– जो भारत के घरेलू पर्यटन का आधार हैं– के लिए यात्रा काफी सस्ती हो गयी है। इसके अलावा, यह विदेशी यात्रियों के लिए भी काफी सुगम होगा, क्योंकि यात्रा लागतें अब दूसरे देशों के मुकाबले ज़्यादा प्रतिस्पर्धी हो गई हैं। होटल और होमस्टे ज़्यादा बुकिंग, ज़्यादा समय तक रुकने और ज़्यादा स्थानीय खर्च की रिपोर्ट दे रहे हैं। छोटे उद्यमियों और होमस्टे मालिकों के लिए, कम अनुपालन लागत और एक जैसे टैक्स फ्रेमवर्क ने व्यवसाय व्यावहारिकता को बेहतर बनाया है और औपचारिक क्षेत्र को बढ़ावा दिया है, जो पैमाने और स्थायित्व की ओर एक शांत लेकिन शक्तिशाली बदलाव है।

किफायती आवागमनः समावेश का संचालक पर्यटन, परिवहन संपर्क–सुविधा पर फलता–फूलता है। इसीलिए यात्री परिवहन, खासकर 10 से ज़्यादा

सीटों वाली बसों पर जीएसटी में 28 प्रतिशत से 18 प्रतिशत की कटौती, एक और गेम चेंजर है। इससे पता चलता है कि इस कदम ने तीर्थयात्रियों, छात्रों और परिवारों के लिए अंतर–शहरीय और समूह यात्रा को किस प्रकार ज़्यादा आसान बना दिया है। धार्मिक क्षेत्र से लेकर इको–पर्यटन पार्क और ग्रामीण इलाकों में घूमने की जगहों तक, किफायती आवागमन ने यात्रा को आसान बनाया है और स्थानीय अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित किया है। एक ऐसे देश में, जहाँ पर्यटन क्षेत्रीय समानता के लिए एक माध्यम के रूप में कार्य करता है, वहाँ बस किराये में हुई हर बचत सशक्तिकरण का एक ज़रिया बन जाती है। सस्ते और स्वच्छ परिवहन विकल्प न सिर्फ़ पहुँच बढ़ाते हैं बल्कि प्राइवेट गाड़ियों के बजाय साझा यात्रा को बढ़ावा देकर भारत के सतत विकास लक्ष्यों में भी योगदान देते हैं।

सांस्कृतिक निवेशः शिल्पकारों को सशक्त बनाना भारत की अपील सिर्फ़ उसके परिदृश्यों या स्मारकों में ही नहीं, बल्कि उसकी जीती–जागती परंपराओं में भी मौजूद है। इसे मान्यता देते हुए, सरकार ने कला और हस्तशिल्प उत्पादों पर भी जीएसटी को 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया। हाथ से बुनी हर कांचीपुरम साड़ी, नक्काशीदार चंदन की मूर्ति, या टेराकोटा लैंप एक कहानी कहता है और अब, हर एक शिल्प उत्पाद को सही दामों पर खरीदा जा सकता है। यहां टैक्स कम करना सिर्फ़ एक आर्थिक इशारा नहीं है। यह एक सांस्कृतिक निवेश है। यह उस विविधता को बनाए रखता है, जो भारतीय पर्यटन की आत्मा है, साथ ही

यह शिल्पकारों, जिनमें से कई महिलाएं और ग्रामीण उद्यमी हैं, को आजीविका का स्थायी साधन देता है।

संगठित क्षेत्र बनने के प्रति भरोसा

जीएसटी के सबसे लंबे समय तक चलने वाले फायदों में से एक है– स्पष्टता और सही अनुमान। छोटे होटल, यात्रा ऑपरेटर और यात्रा एजेंसियां अब राज्य–विशेष टैक्स को समझने के बजाय एक ही राष्ट्रीय टैक्स फ्रेमवर्क के तहत काम करती हैं। संगठित क्षेत्र बनने के प्रति यह भरोसा ऋण, बीमा और डिजिटल भुगतान प्रणाली के दरवाज़े खोलता है जो उन छोटे व्यवसायों के लिए जीवनरेखा है, जो कभी असंगठित तरीके से चलते थे। यह निवेशकों और उद्यमियों के बीच भरोसा भी बढ़ाता है, जिससे इको–लॉज और हेरिटेज स्टे से लेकर आरोग्य स्थल तक, यात्रा अनुभव में नवाचार होता है।

चिकित्सा पर्यटनः एक स्वस्थ प्रोत्साहन

भारत का उभरता हुआ चिकित्सा पर्यटन क्षेत्र, जो पहले से ही एशिया में सबसे तेज़ी से बढ़ने वाले क्षेत्रों में से एक है, नए जीएसटी दरों का एक और बड़ा लाभार्थी है। होटल और परिवहन पर कम टैक्स से उन अंतर्राष्ट्रीय मरीज़ों के लिए इलाज पैकेज का खर्च सीधे तौर पर कम हो जाता है जो सस्ती कीमतों पर विश्व–स्तरीय स्वास्थ्य देख–भाल के लिए भारत आते हैं। इलाज को आराम, पोषण और व्यापक देख–भाल के साथ जोड़कर एकीकृत उपचार अनुभव देने के लिए अस्पताल, आरोग्य केंद्र और आतिथ्य श्रृंखला तेज़ी से मिलकर काम कर रहे हैं। रहने की प्रतिस्पर्धी लागत और आसान यात्रा लॉजिस्टिक्स के साथ, भारत अफ्रीका, मध्य–पूर्व और दक्षिण–पूर्व एशिया के उन मरीज़ों के लिए और भी मज़बूत गंतव्य बन रहा है, जो पश्चिमी देशों की तुलना में पाँचवें हिस्से के खर्च में अच्छी चिकित्सा देख–भाल चाहते हैं।

वैश्विक प्रतिस्पर्धा और आर्थिक प्रभाव

वैश्विक स्तर पर, किफ़ायती खर्च यात्रा के विकल्प तय करता है और हाल तक, भारत थाईलैंड, इंडोनेशिया और वियतनाम जैसे क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धियों से पीछे था, जो कम होटल टैक्स और आसान उप–कर के लिए जाने जाते थे। नई जीएसटी प्रणाली इस अंतर को कम करती है। तर्कसंगत दरों के साथ, भारत अब आयुर्वेद रिट्रीट्स और इको–पर्यटन लॉज से लेकर लग्ज़री हेरिटेज होटलों तक,वैश्विक प्रतिस्पर्धी कीमतों पर विश्व–स्तरीय अनुभव देता है। यह क्षेत्र अभी भारत की जीडीपी में लगभग 5 प्रतिशत का योगदान देता है और 80 मिलियन से ज़्यादा लोगों को आजीविका देता है। लगातार टैक्स सुधार और अवसंरचना निवेश के साथ, विशेषज्ञों का अनुमान है कि यह योगदान 2030 तक दोगुना हो सकता है, जिससे रोजगार, उद्यमिता और महिला सशक्तिकरण के लिए फ़ायदे कई गुना बढ़ जाएंगे।

स्थानीय विकास, वैश्विक गाथा

आम नागरिकों के लिए, इन सुधारों के फ़ायदे बहुत व्यक्तिगत हैं। एक परिवार, जो कभी ज़्यादा होटल खर्च के कारण छुट्टियां टाल देता था, अब यात्रा को किफायती पाता है। छात्र अध्ययन यात्रा कर सकते हैं, तीर्थयात्री आरामदायक यात्रा कर सकते हैं और दूर–दराज गांवों के कारीगर अपने उत्पाद उन पर्यटकों को बेच सकते हैं, जो उनकी कला की तारीफ़ करते हैं।

सांस्कृतिक रूप से भरोसेमंद और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी भारत की ओर जीएसटी रेट में बदलाव, सिर्फ़ कागज़ पर लिखी संख्या के बारे में नहीं है। यह सशक्तिकरण के दर्शन को प्रतिबिंबित करता है कि हर नागरिक को भारत के व्यापक सांस्कृतिक परिदृश्य में यात्रा करने, सीखने और जुड़ने में सक्षम होना चाहिए।

पर्यटन को ज़्यादा किफायती, आवागमन को ज़्यादा समावेशी, और उद्यम को ज़्यादा व्यावहारिक बनाकर, ये सुधार अर्थव्यवस्था को लोगों के करीब लाते हैं। ये स्थानीय विरासत से जुड़े रहते हुए वैश्विक प्रतिस्पर्धा के प्रति भारत की तैयारी का भी संकेत देते हैं।

यात्री के लिए, इसका मतलब है ज़्यादा छुट्टियां और बेहतर अनुभव। उद्यमी के लिए, इसका मतलब है ज़्यादा अवसर। भारत के लिए, इसका मतलब है, ऐसी प्रगति जो व्यक्तिगत लगे, जहाँ हर सफ़र एक ज़्यादा जीवंत, समान और भरोसेमंद देश की ओर एक कदम बन जाए।

क्या राहुल गांधी अपने पूर्वजों की लेगसी सम्हालने में सक्षम हैं ?

अजय दीक्षित

कांग्रेस 2014 अब तक तीन आम चुनाव 2014,2019,2024, और लगभग 81 राज्यों के विधानसभा चुनावों में राहुल गांधी के नेतृत्व में हार चुकी है। 2004 से संसद सदस्य, अविवाहित , गांधी , नेहरू परिवार के बारिस, 52 वर्षीय राहुल गांधी इस समय लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं । उनके पिता के मित्र सैम पित्रोदा कहते हैं कि राहुल गांधी में असीमित क्षमता है लेकिन माध्यम नहीं है। हिंदुस्तान के प्रधान संपादक शशि शेखर कहते हैं कि वह इतने चुनाव हारने के बाद भी राजनीतिक मैदान में डटे हुए हैं। जबकि प्रशांत किशोर कहते हैं कि राहुल एक दिन इस देश के प्रधानमंत्री बनेंगे। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और संघ परिवार उन्हें अपरिपक्व व्यक्ति मानता है जिसे कांस्टेबल की योग्यता होने के बाबजूद आईएएस की परीक्षा में बिठाया जा रहा है। लेकिन यह सत्य है कि आज के दिनांक में कांग्रेस के पास उनका कोई विशेष विकल्प नहीं है। बिहार विधानसभा चुनावों में प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का राहुल गांधी के कारण एक विभाजन हो सकता है। कांग्रेस की सहयोगी पार्टियां जैसे राजद, तुड़मूल कांग्रेस, डीएमके,आप, समाजवादी पार्टी, और कांग्रेस के अंदर कई वरिष्ठ नेता राहुल गांधी के फैसलों से हड़प्रभ हो जाते हैं और तो और उनकी बहन , प्रियंका गांधी, सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे भी कभी कभी असहज हो जाते हैं। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का एक फैसला तो उन्होंने कागज फाड़ कर बापिस करा दिया था। उनके पर नाना पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू,एक संपूर्ण राजनेता थे और आजादी के पहले और बाद में भारत के नीत निर्धारक, निर्माता,रहे ।राहुल गांधी की दादी स्व श्रीमती इंदिरा गांधी,पिता राजीव गांधी देश के वर्षों तक प्रधानमंत्री रहे पूरा कुनवा 43 वर्ष प्रधानमंत्री रहा है और राहुल गांधी भी 2009 में ही प्रधानमंत्री बन सकते थे अगर उनकी मां सोनिया गांधी का सोच राजनीतिक होता तो। कांग्रेस अध्यक्ष पद की बात करें तो जवाहर लाल नेहरू के पिता मोतीलाल नेहरू 1925,1929,1931, में कांग्रेस अध्यक्ष पद पर आसीन रहे। जवाहर लाल नेहरू तो आजन्म ,दादी स्व श्रीमती इंदिरा गांधी 17 वर्ष, राजीव गांधी 10 वर्ष, मां सोनिया गांधी 17 वर्ष और वे स्वयं भी अध्यक्ष पद पर आसीन रहे ।कुल मिलाकर राहुल गांधी की लेंगेसी बहुत बड़ी है। लेकिन राहुल गांधी अब तक ऐसी दशा उत्पन्न नहीं कर पाए है कि उन्हें गांधी नेहरू परिवार का राजनीतिक बारिस माना जा सके अब तक वे बायोलॉजिकल बारिस ही हैं। हालांकि भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था है फिर भी राजनीतिक कुनबे हैं जिनमें डीएमके के स्टालिन, समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव, राजद के तेजस्वी यादव, प्रमुख है। लेकिन राहुल गांधी पर बहुत बड़ी लीगेसी है। यद्यपि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है 880 मिलियन वोटर है पूरे देश में वे विभिन्न धर्मों, सम्प्रदाय, क्षेत्रों के है । संस्कृति भी भिन्न है और प्रत्येक 200 किलोमीटर से भाषा, बोली, रहन सहन बदल जाता है। ऐसे में पूरे देश में राष्ट्रीय स्तर तक राजनेता होना बड़ी मुश्किल का काम है। राहुल गांधी के पर नाना जवाहरलाल नेहरू को पूरे देश में यह मुकाम हासिल हुआ वे दक्षिण भारत में भी लोकप्रिय थे और पूर्वोत्तर राज्यों में भी उनकी लोकप्रियता थी हिंदी पट्टी में भी समान रूप लोकप्रिय थे उनके बाद राहुल गांधी की दादी स्व श्रीमती इंदिरा गांधी भी अपने पिता की भांति लोकप्रिय थी ।कुछ हद राजीव गांधी भी लोकप्रिय रहे। लेकिन राहुल गांधी इस श्रृंखला के सबसे कमजोर कड़ी है। वे कांग्रेस को एक भी बार सत्ता में नहीं ला सके है । आज के समय वे लोकसभा चुनावों में 200 सीट भी कांग्रेस को दिलवा दे तो प्रधानमंत्री बन सकते हैं लेकिन अभी उनके लिए दिल्ली दूर ही है । राज्यों में कांग्रेस सरकार नहीं है क्योंकि राहुल गांधी में वे जादू नहीं हैं जो कभी इंदिरा गांधी में हुआ करते थे। केवल कर्नाटक, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश में सरकार है ।जबकि भारतीय जनता पार्टी की दिल्ली, उत्तराखंड, गुजरात, हरियाणा, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, ओडिशा, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, त्रिपुरा, मणिपुर मेघालय मिजोरम सिक्किम,असम, नागालैंड, गोवा,में सरकारें है। बिहार विधानसभा चुनावों में राहुल गांधी की भूमिका की चर्चा हो रही है क्योंकि इन चुनावों कांग्रेस का प्रदर्शन बहुत खराब रहा है। केवल छह सीट ही जीत सकी है। गठबंधन निपुणता का अभाव राहुल गांधी में देखा गया।

अदिवी शेष और मृणाल ठाकुर की डकैत का नया पोस्टर जारी

अदिवी शेष और मृणाल ठाकुर अभिनित फिल्म डकैत की नई रिलीज डेट तय हो गई है। पहले यह फिल्म दिसंबर 2025 में रिलीज होने वाली थी, लेकिन शेष की चोट के कारण इसकी नई रिलीज डेट जारी की गई है। मृणाल ने अपनी आगामी फिल्म डकैत का एक नया पोस्टर इंस्टाग्राम पर शेयर किया और साथ ही फिल्म की नई रिलीज डेट से पर्दा उठाते हुए कैप्शन में लिखा, डकैत के साथ धमाकेदार ड्रामा का अनुभव करें। 19 मार्च, 2026 को हिंदी और तेलुगु में दुनिया भर में भव्य रिलीज। टीम ने आज आधिकारिक तौर पर इंस्टाग्राम पर डकैत की नई रिलीज डेट की घोषणा कर दी है। डकैत 19 मार्च, 2026 को, उगादि और ईद के अवसर पर सिनेमाघरों में रिलीज

होगी। कथित तौर पर यह संजय लीला भंसाली की रोमांटिक ड्रामा फिल्म लव एंड वॉर के आस पास रिलीज होगी, जिसमें आलिया भट्ट, रणबीर कपूर और विक्की कौशल मुख्य भूमिका में हैं। लव एंड वॉर 20 मार्च, 2026 को रिलीज हो रही है। फिल्म डकैत एक प्रेम कहानी है। शेष और मृणाल के अलावा फिल्म में अनुराग कश्यप की अहम भूमिका में नजर आएंगे।

कांतारा चैप्टर 1 की रिलीज के 50 दिन पूरे, ऋ षभ शेट्टी ने साझा किया ये पोस्ट

अभिनेता ऋषभ शेट्टी की फिल्म कांतारा चैप्टर 1 ने बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड तोड़ डाले हैं। इस फिल्म को थिएटर्स में रिलीज हुए 50 दिन हो चुके हैं। इस अहम मौके पर साउथ एक्टर ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर खास पोस्ट शेयर करते हुए अपने विचार प्रकट किए हैं।

एक्टर ऋषभ शेट्टी ने अपने एक्स अकाउंट पर एक ट्वीट किया है। इसमें उन्होंने फिल्म कांतारा चैप्टर 1 से अपनी दिलचस्प तस्वीर साझा की है। इस ट्वीट में अभिनेता ने लिखा– 'फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1झ् के 50 शानदार दिनों का जश्न। हमारी अद्भुत विरासत और परंपराओं से युक्त एक दिव्य सिनेमाई अनुभव झ् इसके साथ ही अभिनेता ने हैशटैग में कांतारा चैप्टर 1 के 50 दिन भी लिखे हैं।

इस पोस्ट के आते ही नेटिजंस की प्रतिक्रियाएं आने लगी हैं। एक यूजर ने कहा– कांतारा के जादू के 50 दिन। वहीं दूसरे यूजर ने बोला– इस फिल्म को देखने के दौरान रोंगटे खड़े हो गए थे। इसके अलावा अन्य यूजर्स अभिनेता और उनकी टीम को बधाई दे रहे हैं। फिल्म कांतारा चैप्टर 1 के कलेक्शन की बात करें, तो इसने इंडियन बॉक्स ऑफिस पर 600 करोड़ से अधिक कमा लिए हैं।

भारत के खिलाफ वनडे और टी–20 सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीम का हुआ ऐलान

नईदिल्ली, क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ आगामी वनडे और टी–20 सीरीज के लिए अपनी टीमों की घोषणा कर दी है। यह मुकाबले अगले हफ्ते गुवाहाटी में टेस्ट सीरीज खत्म होने के बाद खेले जाएंगे। प्रोटियाज टीम 30 नवंबर से 6 दिसंबर तक रांची, रायपुर और विशाखापट्टनम में 3 वनडे मैच खेलेगी। इसके बाद 9 से 19 दिसंबर तक कटक, न्यू चंडीगढ़, धर्मशाला, लखनऊ और अहमदाबाद में 5 मैचों की टी–20 सीरीज खेली जाएगी।

दक्षिण अफ्रीका की वनडे टीमः तेम्बा बावुमा (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, कॉर्बिन बॉश, मैथ्यू ब्रीट्जके, डेवाल्ड ब्रेविस, नांद्रे बर्गर, क्विंटन डिकॉक, टोनी डी ज़ोरजी, रुबिन हर्मन, केशव महाराज, मार्को यानसन, एडेन मार्करम, लुंगी एनगिडी, रियान रिकेल्टन और प्रेनेलन सुब्रायन। दक्षिण अफ्रीका की टी–20 टीमः एडेन मार्करम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, कॉर्बिन बॉश, डेवाल्ड ब्रेविस, क्विंटन डिकॉक, टोनी डी ज़ोरजी, डोनोवन फरेरा, रीसा हेंड्रिक्स, मार्को यानसन, जॉर्ज लिंडे, क्वेना मफाका, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी, एनरिक नॉर्किया और ट्रिस्टन स्टब्स। दक्षिण अफ्रीका के मुख्य कोच शुकरी कॉनराड ने भारत और श्रीलंका की मेजबानी में अगले साल होने वाले टी–20 विश्व कप की तैयारी के लिए इस सीरीज को अहम बताया। उन्होंने कहा कि भारत के खिलाफ टी–20 सीरीज उनके लिए विश्व कप के दल को लगभग अंतिम रूप देने का बड़ा मौका है। कॉनराड ने जोर देकर कहा कि टीम संयोजन और खिलाड़ियों की भूमिकाओं पर स्पष्टता बेहद जरूरी है, क्योंकि यही तैयारी उन्हें बड़े टूर्नामेंट में मजबूत बनाएगी।कॉनराड का मानना है कि वनडे सीरीज टीम के प्रदर्शन की स्पष्ट तस्वीर पेश करेगी। उन्होंने कहा कि ये मुकाबले उन्हें उन क्षेत्रों की पहचान करने में मदद करेंगे, जिन पर सुधार की जरूरत है। ताकि 2027 विश्व कप के लिए एक मजबूत टीम तैयार किया जा सके। कॉनराड ने उल्लेख किया कि 50 ओवर के प्रारूप में यह सीरीज बताएगी कि टीम कहां खड़ी है और भविष्य की तैयारी के लिए किन पहलुओं पर आगे काम करना आवश्यक है।

दे दे प्यार दे 2 का दुनियाभर में डंका, अजय देवगन की फिल्म सन ऑफ सरदार 2 हुई पीछे

बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन और रकुल प्रीत सिंह की रोमांटिक–कॉमेडी फिल्म दे दे प्यार दे 2 दुनियाभर से लोगों का प्यार बटोर रही है। लव रंजन के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने 14 नवंबर को सिनेमाघरों में दस्तक दी थी। बॉक्स ऑफिस पर 6 दिन पूरे कर चुकी फिल्म घरेलू बॉक्स ऑफिस पर मजबूत पकड़ बनाए हुए है। दुनियाभर में ताबड़तोड़ कमाई करते हुए दे दे प्यार दे 2 ने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, दे दे प्यार दे 2 ने अपनी रिलीज के 6वें दिन बॉक्स ऑफिस पर 3.50 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। इसी के साथ फिल्म की कुल कमाई 47.75 करोड़ रुपये हो गई है। देखा जाए तो कारोबारी दिनों में फिल्म

की कमाई में गिरावट आई है, लेकिन वीकेंड पर उछाल की पूरी संभावना है। उम्मीद है कि दे दे प्यार दे 2 शुक्रवार से पहले 50 करोड़ के क्लब में प्रवेश कर जाएगी। अजय और रकुल की दे दे प्यार दे 2 दुनियाभर में अपना जादू चला रही है।सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, असने 6 दिनों के अंदर दुनियाभर में 68.5 करोड़ रुपये कमाए हैं।

)एशेज 2025–26 : क्रिकेट इतिहास में पहली बार, पहली तीन पारियों में बिना रन बने गिरे विकेट

नईदिल्ली, ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम और इंग्लैंड क्रिकेट टीम के बीच एशेज 2025 के पहले ही टेस्ट के दौरान इतिहास बन गया। क्रिकबज के अनुसार, ऑस्ट्रेलिया के पर्थ स्टेडियम में हुए इस मैच की पहली तीन पारियों में कुछ ऐसा हुआ, जो आज तक क्रिकेट इतिहास में नहीं हुआ था। पहली तीनों पारियों में एक रन बनने से पहले ही एक विकेट गिर गया, जो एक अनोखी घटना है। आइए पूरी खबर जानें।

इंग्लैंड की पहली पारी: पहला विकेट तब गिरा जब जैक क्रॉली पहले ही ओवर (0.6 ओवर) में मिचेल स्टार्क की गेंद पर 0 पर आउट हो गए। ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी: डेब्यू करने वाले जेक वेदराल्ड भी पहले ही ओवर में (0.2 ओवर) बिना खाता खोले आउट हुए। इंग्लैंड की दूसरी पारी: दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने आए क्रॉली को फिर से स्टार्क ने पहले ही ओवर (0.5 ओवर) में वापस भेज दिया। तीनों बार टीम का स्कोर शून्य था।

वनडे क्रिकेट के इतिहास में भारत के खिलाफ सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज

नईदिल्ली, वनडे क्रिकेट के इतिहास में भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ कई दिग्गज बल्लेबाजों ने यादगार और बड़े स्कोर वाली पारियां खेली हैं, जिन्होंने मैच का रुख बदल दिया और दर्शकों को रोमांच से भर दिया। भारतीय टीम की मजबूत गेंदबाजी के बावजूद कुछ खिलाड़ियों ने ऐसी ऐतिहासिक पारियां खेलीं, जो आज भी इतिहास के पन्नो में दर्ज है। ऐसे में आइए वनडे क्रिकेट के इतिहास में भारत के खिलाफ सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाजों पर नजर डालते हैं। पहले स्थान पर पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सईद अनवर हैं। उन्होंने साल 1997 में चेन्नई

के मैदान पर भारत के खिलाफ 194 रन की पारी खेली थी। इस खिलाड़ी ने 146 गेंदों का सामना किया था। उन्होंने 22 चौके और 5 छक्के लगाए थे। उनकी स्ट्राइक रेट 132.87 की रही थी। पाकिस्तान ने 327/5 का स्कोर बनाया था। जवाब में भारतीय टीम 292 रन ही बना पाई थी। पाकिस्तान को 35 रन से जीत मिली थी। सनथ जयसूर्या इस सूची में दूसरे स्थान पर हैं। श्रीलंका क्रिकेट टीम के इस पूर्व दिग्गज बल्लेबाज ने साल 2000 में शारजाह के मैदान पर भारत के खिलाफ 189 रन बना दिए थे। उन्होंने 161 गेंदों का सामना किया था। जयसूर्या के बल्ले से 21 चौके और 4 छक्के निकले थे। उनकी स्ट्राइक रेट 117.39 की रही थी। श्रीलंका ने पहली पारी में 299/5 का स्कोर बनाया था। जवाब में भारतीय टम सिर्फ 54 रन पर ऑलआउट हो गई थी।

संक्षिप्त समाचार

मंत्री बोले युवा पीढ़ी राष्ट्र निर्माण में योगदान दें

श्रीनगर गढ़वाल : लौह पुरुष, स्वतंत्र भारत के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में शनिवार को सरदार/150 यूनिटी मार्च का आयोजन किया गया। रैली में कैबिनेट मंत्री एवं श्रीनगर विधायक डॉ. धन सिंह रावत, गढ़वाल विवि के छात्र-छात्राओं और भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने बढ़चढ़ कर प्रतिभाग किया। एकता मार्च एनआईटी से होते हुए मुख्य बाजार, गोला पार्क तक राष्ट्र एकता के गीत गाते आगे बढ़ा। गोला बाजार में आयोजित कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि सरदार पटेल ने अपने अद्भुत व्यक्तित्व, दूरदर्शिता और दृढ़ संकल्प से भारत को एक अखंड राष्ट्र के रूप में स्थापित किया। यह एकता मार्च उनकी राष्ट्र निष्ठा और आदर्शों को नमन करने के साथ ही देश की मजबूत राष्ट्रीय एकता को समर्पित है। युवा पीढ़ी को उनके जीवन से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देना चाहिए। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष विनय घिल्डियाल, डॉ. राकेश नेगी, जिला महामंत्री गणेश भट्ट, ब्लॉक प्रमुख अनिल भंडारी, दिनेश पटवाल, पंकज सती, रेनू सुंदरियाल, आशा उपाध्याय आदि मौजूद थे।

शहीदी दिवस पर गुरु तेग बहादुर को किया याद

श्रीनगर गढ़वाल : ऐंजल हेवन स्कूल में गुरु तेग बहादुर का शहीदी दिवस शनिवार को बड़े ही श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाया गया। इस दौरान छात्रों को गुरु तेग बहादुर के महान और प्रेरणादायी जीवन परिचय के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने गुरु तेग बहादुर की स्मृति में शब्द कीर्तन प्रस्तुत किया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। काव्य-पाठ में छात्रों ने गुरु तेग बहादुर पर आधारित कविता और पंक्तियां बड़े उत्साह और भावनाओं के साथ पढ़ी। छात्र-छात्राओं ने स्वच्छता अभियान चलाते हुए लोगों को स्वच्छता का संदेश भी दिया। इस मौके पर विद्यालय के प्रबंधक आरपी भट्ट, मुख्य अध्यापिका विभा भट्ट, विवेक, शशिकला, गीता, सुभाष आदि मौजूद थे।

ब्लॉक स्तरीय बाल विज्ञान मेले में छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

श्रीनगर गढ़वाल : राजकीय नंदन नगर पालिका जूनियर हाई स्कूल श्रीनगर में शनिवार को ब्लॉक स्तरीय बाल मेले का आयोजन किया गया। बाल मेले में विकासखंड खिर्सू की तीन न्याय पंचायतों के संकुल स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त शिक्षक एवं छात्र-छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया गया। प्रोजेक्ट कार्य पर आधारित बाल मेले का शुभारंभ करते हुए खंड शिक्षा अधिकारी अश्वनी रावत ने कहा कि बाल मेले का उद्देश्य किसी विषय या समस्या पर स्वाध्याय, जानकारी एकत्रित करना, उसका विश्लेषण करना और निष्कर्ष निकालना है। कहा कि इस तरह के कार्यक्रम सीखने की प्रक्रिया को व्यवहारिक, रचनात्मक और अनुभव आधारित बनता है।

बताया कि बाल मेले के अंतर्गत विज्ञान, गणित और सामाजिक विज्ञान विषयों पर छात्र-छात्राओं एवं मार्गदर्शन शिक्षक द्वारा प्रोजेक्ट कार्य का निर्माण किया गया है। प्रतियोगिता में विज्ञान विषय में राउप्रावि कमेड़ा के छात्र शौर्य और कुणाल, गणित विषय में राइंका चौरीखाल के अंशुमान, सामाजिक विज्ञान विषय में राजूहाई स्कूल कमेड़ा की साक्षी और मंयक ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

इस मौके पर मुकेश काला, जयदयाल चौहान, नवीन धारीवाल, सर्वेश्वर गौड़, मुकेश बहुगुणा, सन्दीप कोहली आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

बदरीनाथ हाईवे पर एक घंटे बाधित रहा यातायात

श्रीनगर गढ़वाल : ऋषिकेश-बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर चमधार के पास शनिवार को एक वाहन दुर्घटनाग्रस्त होकर सड़क पर पलट गया। वाहन पलटने से राष्ट्रीय राजमार्ग पर जाम की स्थिति देखी गई, जबकि घटना में चालक सुरक्षित है। मौके पर पहुंची पुलिस ने वाहनों को देवलगढ़-छांतीखाल मोटरमार्ग के लिए डाइवर्ट किया।

पोखड़ा के घड़ियाल गांव में पिंजरे में कैद हुआ गुलदार

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : पोखड़ा के घड़ियाल में महिला पर हमला करने वाला गुलदार पिंजरे में कैद हो गया है। गुलदार कैद होने के बाद वन विभाग ने राहत की सांस ली। लेकिन, ग्रामीणों को अब भी गांव के आसपास गुलदार घूमते हुए दिखाई दे रहे हैं। ऐसे में ग्रामीणों ने वन विभाग ने अन्य गुलदारों को भी पकड़ने की मांग उठाई है।

कुछ दिन पूर्व गुलदार ने घड़ियाल निवासी प्रभा देवी पर हमला किया था। प्रभा देवी के साथ मौजूद महिलाओं ने शोर मचाना शुरु किया, जिसके बाद गुलदार प्रभा देवी को घायलावस्था में छोड़कर चला गया था। ग्रामीणों ने घायल प्रभा देवी को उपचार के लिए राजकीय बेस चिकित्सालय कोटद्वार पहुंचाया।

पोखड़ा के घड़ियाल गांव में शनिवार को पिंजरे में कैद हुआ गुलदार

जहां अब भी उनका उपचार चल रहा है। वहीं, इससे पूर्व घड़ियाल गांव के समीप ही स्थित बगड़ीगाड़ गांव में भी गुलदार ने बुजुर्ग महिला रानी देवी को अपना निवाला बनाया था। जिसके बाद वन विभाग ने दोनों गांव में पिंजरे लगा दिए थे। साथ ही गांव में वन कर्मियों की भी तैनाती की गई। शनिवार को घड़ियाल गांव में लगे पिंजरे में एक गुलदार कैद हुआ। वहीं, ग्रामीणों को अब भी गांव के आसपास गुलदार घूमते हुए दिखाई दे रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि वन विभाग को अन्य गुलदार को कैद करने के लिए भी पिंजरा लगाना चाहिए। वन विभाग के एसडीओ लक्की शाह ने बताया कि गुलदार को पिंजरे में कैद कर उसे मेडिकल टेस्ट के लिए लेकर जाया जा रहा है।

चार बाल वैज्ञानिक राज्य स्तर के लिए चयनित

चमोली : प्रथम उत्तराखंड विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी प्रीमियर लीग के जिला स्तरीय आयोजन में चार बाल वैज्ञानिकों का राज्य स्तर के लिए चयन किया गया है। कार्यक्रम में सात विकासखंडों के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

पीएम श्री अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज गोपेश्वर में प्रीमियर लीग का जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रतिभागियों की सबसे पहले एमजीक्यू स्क्रीनिंग की गई, उसके बाद विजुअल, अर्जर रैपिड फायर आदि के माध्यम से शीर्ष चार छात्रों का चयन राज्य स्तर के लिए किया गया। जिसमें दशोली ब्लॉक से निशांत पंत, दशोली से आदित्य बुटोला, कर्णप्रयाग से प्रिंस भंडारी और गैरसैंण ब्लॉक से अभिषेक सिंह शामिल हैं। विभिन्न राउंडों का मूल्यांकन अनूप खंडूड़ी, डॉ. पी. बिष्ट, मनमोहन खाली, आशीष भंडारी, दीवान सिंह, ओपी पुरोहित, किरन भट्ट, सोनी बिष्ट ने किया।

एल्डिको कंपनी में लगी आग, लाखों का नुकसान

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भाबर ग्रोथ सेंटर स्थित एल्डिको कंपनी में शार्ट सर्किट के कारण भीषण आग लग गई। दमकल विभाग ने घंटों मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग से कंपनी का स्क्रैप जलकर खाक हो गया।

जानकारी के अनुसार, घटना शुक्रवार रात की है। कंपनी में मौजूद कुछ श्रमिकों को गोदाम से धुंआ निकलते हुए दिखाई दिया।

जैसे ही श्रमिक गोदाम के समीप पहुंचे उन्हें आग की लपटे दिखाई दी। घटना की सूचना दमकल को दी गई। दमकल अधिकारी रणधीर सिंह ने बताया कि सूचना मिलते ही वह अपनी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंच गए थे। बताया कि गोदाम में रखा प्लास्टिक का स्क्रैप

कोटद्वार के भाबर क्षेत्र में ग्रोथ सेंटर स्थित कंपनी में आग पर काबू पाने का प्रयास करते दमकल कर्मी

तेजी से जल रहा था। करीब तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। बताया कि आग का मुख्य कारण शार्ट सर्किट बताया जा रहा है।

भरत महोत्सव का शुभारंभ, प्रस्तुतियों ने मोहा मन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भाबर क्षेत्र में शनिवार से भरत महोत्सव का शुभारंभ हो गया है। प्रथम दिन बच्चों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। साथ ही बच्चों की रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

डू समथिंग सोसाइटी की ओर से महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। महोत्सव का शुभारंभ संस्था के संरक्षक प्रकाश चंद्र कोठारी, राजेंद्र प्रसाद पंत, शंकर दत्त, रिपु दमन बिष्ट, आचार्य राकेश चंद्र लखेड़ा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया।

कोटद्वार में आयोजित भरत महोत्सव में योगाभ्यास करते विद्यार्थी

वक्ताओं ने विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। साथ ही बच्चों को कण्वाश्रम के इतिहास से भी परिचित करवाया गया। इस दौरान योग प्रतियोगिता जूनियर व ओपन वर्ग में कुल 34 टीमों ने प्रतिभाग किया। जिसमें जूनियर वर्ग में फैमिली योगी ग्रुप, पतंजलि ग्रुप व झडीचौड़ ग्रुप प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय रहा। ओपन वर्ग में ओमजी अग्रवाल ग्रुप, परमार्थ निकेतन गुरुकुल कण्वाश्रम, वारदान योगशाल प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय रहा। बेस्ट योगी का पुरस्कार सार्थक कंडवाल व बेस्ट योगिनी का खिताब शुखी को दिया गया। बच्चों के लिए बालीवॉल सहित अन्य प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जा रहा है। महोत्सव के दौरान विभिन्न कीर्तन मंडलियों ने भी अपने भजनों की प्रस्तुति देकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। महोत्सव में हंस फाउंडेशन की ओर से निःशुल्क स्वास्थ्य केंप भी लगाया गया था। जिसमें लोगों के स्वास्थ्य की जांच कर उन्हें बेहतर स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया। इस मौके पर विपिन जदली, रेखा नेगी, डीपी बलूनी, रंजना रावत, सिंधु कोठारी, शीला देवी, सोनम पंत कोठारी, सुनीता नैथानी, कविता रावत आदि मौजूद रहे।

पुलिस ने चलाया सत्यापन अभियान, काटे चालान

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कोतवाली पुलिस की ओर से शहर में सत्यापन अभियान चलाया गया। इस दौरान आमजन से शहर में कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने की अपील की गई। कहा कि व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए लोगों को पुलिस का सहयोग करना चाहिए।

शनिवार को कोतवाली प्रभारी निरीक्षक रमेश तनवार के नेतृत्व में सत्यापन अभियान चलाया गया। पुलिस ने लकड़ीपड़ाव, आमपड़ाव सहित अन्य क्षेत्रों में घर-घर जाकर लोगों से किराएदारों के बारे में जानकारी जुटाई। कहा कि शहर में कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए हम सभी को एकजुट होकर कार्य करना चाहिए। क्षेत्र में किसी भी तरह की संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। बिना

कोटद्वार में सत्यापन अभियान चलाती पुलिस

सत्यापन कमरा व दुकान किराए पर देने वालों के खिलाफ पुलिस कानूनी कार्रवाई करेगी। वहीं, सतपुली पुलिस की ओर से भी क्षेत्र में सत्यापन अभियान चलाया गया। पुलिस ने ग्रामीणों को किसी भी व्यक्ति को किराए पर दुकान व कमरा देने से पूर्व उसका पुलिस से सत्यापन करवाने की अपील की।

पोस्टर में प्रियांशी व संध्यारानी रही अव्वल

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विवि के बीजीआर परिसर पौड़ी में उत्तराखंड मुक्त विवि के अध्ययन केंद्र व परिसर के बीएड विभाग द्वारा एक दिवसीय दीक्षारंभ व नई शिक्षा नीति पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में प्रियांशी व संध्यारानी की जोड़ी पहले स्थान पर रही। गढ़वाल विवि के बीजीआर परिसर पौड़ी में आयोजित बीएड प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश लेने वाले छात्रों के दीक्षारंभ व नई शिक्षा नीति पर कार्यशाला का उद्घाटन परिसर निदेशक प्रो. यूसी गैरोला, यूओयू अध्ययन केंद्र के क्षेत्रीय निदेशक एवं बीएड विभाग के प्रभारी विभागाध्यक्ष प्रो. एमसी पुरोहित, पौड़ी परिसर में एनईपी पाठ्यक्रम समिति के समन्वयक डा. नवीन चंद्रा, सदस्य प्रो. अनूप पांडे ने किया। इस मौके पर परिसर निदेशक प्रो. गैरोला ने नियमित व मुक्त शिक्षा प्रणाली के उद्देश्यों की जानकारी दी और तुलनात्मक चर्चा की। प्रो. एमसी पुरोहित ने उत्तराखंड मुक्त विवि से संबंधित सभी पाठ्यक्रमों के विषय में विस्तृत जानकारी प्रदान की। डा. नवीन चंद्रा ने कहा कि एनईपी-2020 के माध्यम से नवाचार को बढ़ावा दिया जाय और बच्चों को उनकी रुचि के अनुसार विषय पढ़ाए जाने चाहिए। प्रो. पांडे ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के विभिन्न आयामों की विस्तृत जानकारी दी। परिसर में बीएड प्रथम सेमेस्टर की छात्रा प्रियाशीं धस्माना, संदीप रावत व शिखा भंडारी ने नई शिक्षा नीति पर विचार व्यक्त किए। इस दौरान स्वच्छता सप्ताह पखवाड़ा में आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में प्रियाशीं मंद्रवाल व संध्यारानी संयुक्त रुप से प्रथम, रेखा शाह द्वितीय और सारिका व समीरा संयुक्त रुप से तृतीय स्थान पर रही।

छात्रों की शानदार प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोहा

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : शरदोत्सव की दूसरी सांस्कृतिक संध्या स्थानीय शिक्षण संस्थाओं के सीनियर वर्ग के नाम रही। छात्र-छात्राओं की देवी जागर और पांडव जागर की शानदार प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। सीनियर वर्ग की आठ टीमों में जागर विधा के लोकनृत्य के अंतर्गत मैसमोर इंटर कॉलेज ने आंछरी जागर सोला नाम संन्यासी डांडियों की मारू से सांस्कृतिक संध्या की शुरूआत की। विद्या मंदिर क्यूंकालेश्वर ने जागर ऊंचा डांडा बाटा, डीएवी इंटर कॉलेज ने नौ बैनी आंछरी, गुरु राम राय ने जागर रीमिक्स कन नाचण लेगे, तेरी पिंगली पीछौड़ी, स्यू पाकी बल जौ आदि की बेहतरीन प्रस्तुति दी जबकि भगतराम पब्लिक ने राम जी का बाण ब्वादन भेद हमारो, विद्या मंदिर तिमली जाग जाग पंच नाम द्व्यबता, केंद्रीय विद्यालय कंडोलिया देवता जागर और हिल्स इंटरनेशनल ने कुमाऊंनी समूह नृत्य की शानदार प्रस्तुतियों से दर्शकों का मनोरंजन किया।

श्लोकोच्चारण में महाविद्यालय के नवीन रहे अव्वल

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : उत्तराखंड संस्कृत अकादमी की ओर से आयोजित प्रतियोगिताओं का समापन हो गया है। इस दौरान श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता में राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार के छात्र नवीन बिष्ट ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

उत्तराखंड संस्कृत अकादमी हरिद्वार की ओर से कोटद्वार के प्रेक्षागृह में प्रतियोगिताओं का आयोजन करवाया जा रहा है। दूसरे दिन प्रतियोगिताओं का शुभारंभ मालनी वेली एजुकेशन के अध्यक्ष योगंबर रावत, यश वेदी व नमन भटनागर ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया। वक्ताओं ने कहा कि संस्कृत केवल एक भाषा नहीं, बल्कि हमारी भारतीय संस्कृति, सभ्यता और ज्ञान परंपरा की मूल धारा है। वेद, उपनिषद, रामायण, महाभारत, गीता जैसे विश्व विख्यात ग्रंथ इसी भाषा में रचे गए हैं।

उत्तराखंड संस्कृत अकादमी हरिद्वार की ओर से आयोजित प्रतियोगिता में प्रस्तुति देते विद्यार्थी

इसलिए संस्कृत को देववाणी भी कहा जाता है। प्रतियोगिता के संयोजक रोशन गौड़ ने कहा कि दूसरे दिन आयोजित श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता में राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के छात्र नवीन बिष्ट, श्री ज्वालपा देवी संस्कृत विद्यालय के छात्र गौरव थपलियाल, संस्कृत विद्यालय भुवनेश्वरी कोट के छात्र अक्षत उपाध्याय ने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। संस्कृत समूहनृत्य में राजकीय बालिका इंटर कालेज दुगड्डा ने प्रथम, संस्कृत विद्यालय भुवनेश्वरी कोट ने द्वितीय, राजकीय आदर्श इंटर कालेज धुमाकोट नैनीडांडा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। संस्कृत वाद-विवाद प्रतियोगिता में संस्कृत विद्यालय भुवनेश्वरी कोट प्रथम, जयदयाल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय श्रीनगर द्वितीय व ज्वाल्पा देवी संस्कृत विद्यालय कल्जीखाल तृतीय रहा। इस मौके पर डा. रमाकांत कुकरेती, कुलदीप मैंदोला आदि मौजूद रहे।

कोटद्वार की वंशिका का प्रदेश की जूनियर फुटबॉल टीम में चयन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : आर.पी स्कूल टेलीपाड़ा की 9वीं कक्षा की छात्रा वंशिका चौहान का चयन प्रदेश की जूनियर फुटबॉल टीम में हुआ है। वंशिका श्री सिद्धबली क्लब कोटद्वार की खिलाड़ी है। वह शशिधर भट्ट स्पोर्ट्स स्टेडियम गाडीघाट कोटद्वार में फुटबॉल का प्रशिक्षण लेती हैं। वंशिका दुर्गापुरी निवासी सुरेन्द्र चौहान और मीणा चौहान की पुत्री है।

वंशिका के फुटबॉल कोच महेन्द्र रावत ने बताया कि वंशिका पांच नवंबर को रुद्रपुर ट्रायल में चयनित हुई थी और दो सप्ताह के कैंप के पश्चात उनकी टीम शनिवार को रवाना हो गई है। फुटबॉल संघ के सह सचिव सिद्धार्थ रावत ने बताया कि नागालैंड के डॉ. तालीमेरेन आओ जो कि स्वतंत्र भारत की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के पहले कप्तान थे और

पेशे से चिकित्सक भी थे, उन्होंने 1948 के लंदन ओलंपिक में भारत का नेतृत्व भी किया था। ऐसी महान विभूति की स्मृति में आयोजित राष्ट्रीय जूनियर चैंपियनशिप नागालैंड में आयोजित होगी। जिसमें उत्तराखंड अपना पहला मुकाबला 22 नवंबर को हॉस्ट टीम नागालैंड के साथ खेलेगा। जबकि 24 नवंबर को पंजाब और अंतिम लीग मुकाबला 26 नवंबर को अंडमान ओर निकोबार के साथ खेलेगा। अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल कोच सुनील रावत, सेवानिवृत लेफ्टिनेंट कर्नल चन्द्रपाल पटवाल, आर.पी स्कूल के प्रधानाचार्य कुंवर अजीत सिंह, स्पोर्ट्स स्टेडियम इंचार्ज श्याम डांगी, सुशील रावत, ऋतिक नेगी ने वंशिका चौहान को शुभकामनाएं दी है।

लखनऊ की मेयर नगर निगम देहरादून पहुंची

देहरादून। लखनऊ की मेयर सुषमा खरकवाल शनिवार दोपहर नगर निगम देहरादून पहुंची। यहां निगम की ओर से मेयर सौरभ थपलियाल ने पुष्पगुच्छ भेंटकर उनका स्वागत किया। दोनों नगर निगम के मेयर ने विभिन्न योजनाओं को लेकर जानकारी साझा की।

सर्दियों में कान और नाक की सफाई रखने की विशेष जरूरत

श्रीनगर गढ़वाल : सर्दियों के मौसम में इन दिनों श्रीनगर के संयुक्त उप जिला चिकित्सालय में नाक में खून और कान में दर्द की शिकायत लेकर पहुंच रहे मरीजों की संख्या बढ़ गई है। अस्पताल के ईएनटी विभाग में प्रतिदिन साठ से अधिक मरीज अपनी समस्याओं को दिखाकर डॉक्टरों से परामर्श ले रहे हैं। ईएंटी विभाग के वरिष्ठ डॉक्टर दिगपाल दत्त के अनुसार ओपीडी में पहुंच रहे अधिकतर मरीजों में बच्चे कान में रुखा पन होने से परेशान हैं। बताया कि नाक में खून की परेशानी को लेकर आ रहे मरीजों की संख्या भी अधिक है। बुजुर्गों में बीपी की शिकायत के साथ सर्दियों में नसों के सिकुड़ने से जुकाम और गले में खरास होने का डर बना हुआ है। डॉ. दत्त ने बताया कि बीपी की समस्या के मरीज समय-समय पर चेकअप के बाद ही दवाई लें। कहा कि बिना डॉक्टर की सलाह के ड्राप का प्रयोग नहीं करना चाहिये, इससे बड़ी दिक्कत हो सकती है।

वन विभाग सार्वजनिक करें गुलदार की मेडिकल रिपोर्ट

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : पोखड़ा ब्लाक में बढ़ते गुलदार के हमलों को लेकर शनिवार को कांग्रेस ने आक्रोश व्यक्त किया। कांग्रेस पदाधिकारियों ने कहा कि जो भी गुलदार पकड़े जाते हैं, विभाग उनकी रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं करता। इस मौके पर एआईसीसी सदस्य राजपाल बिष्ट ने कहा कि प्रभावितों को नए शासनादेश के तहत ही मुआवजा दिया जाना चाहिए। साथ ही गुलदार प्रभावित गांवों में स्थाई टीमें भी तैनात होनी चाहिए। शनिवार को रेंज कार्यालय पोखड़ा पहुंचे कांग्रेसियों ने रेंज अधिकारी के माध्यम से डीएफओ को ज्ञापन भेजा।

इस मौके पर कांग्रेसियों ने कहा कि जो भी गुलदार पकड़े जाते हैं उनकी मेडिकल रिपोर्ट को विभाग सर्वाजनिक नहीं करता है। इस वजह से यह पता नहीं चल पता है कि हमला करने वाला गुलदार पकड़ा गया या नहीं। बीते दिनों श्रीकोट में भी गुलदार पकड़ा गया, लेकिन उसकी भी रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं हो पाई। कहा कि ब्लॉक के जिन गांवों में गुलदार सक्रिय है वहां पिंजरे लगाए और टीमों को तैनात किया जाए। रात की गश्त और मैन पॉवर बढ़ाई जाए। इसक साथ ही पंचायत प्रतिनिधियों को भी साथ में लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाए। ज्ञापन देने वालो में पूर्व प्रमुख सुरेंद्र सिंह रावत, कनिष्ठ प्रमुख पोखड़ा संजय जोशी, पूर्व महामंत्री जीतेंद्र बिष्ट, अरविन्द सिंह, विकास रावत आदि शामिल रहे।

लोगों ने किया डीएफओ का घेराव

गढ़वाल वन प्रभाग की पौड़ी नागदेव रेंज के डोभाल ढांढरी गांव में गुलदार के हमले के बाद लोगों में दहशत बनी हुई है। शनिवार को आक्रोशित लोगों ने पौड़-श्रीनगर हाईवे पर गडोली में सरकार, वन मंत्री व प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस दौरान आक्रोशित लोगों ने मौके पर पहुंचे डीएफओ का भी घेराव किया। लोगों ने जल्द ही गुलदार को नरभक्षी घोषित करने की मांग की।

भालू के शीतनिंद्रा में जाने का इंतजार

रुद्रप्रयाग : पहाड़ में जगह-जगह भालू की सक्रियता चिंता का विषय बनती जा रही है। हालांकि लोगों को उम्मीद थी कि भालू ठंढ बढ़ने के कारण शहरों से दूर चले जाएगा, किंतु अनेक जगहों पर भालू के हमले की घटनाएं और सक्रियता आम लोगों की मुश्किलें बढ़ा रही हैं। अब, यदि जल्द भालू शीतनिंद्रा में न गया तो और भी घातक हो सकता है। रुद्रप्रयाग जनपद में वन विभाग लगातार भालू के हमले रोकने और इसकी गतिविधियों पर लगातार नजर रख रही है। वन विभाग की प्रांरभिक जानकारी में वर्तमान में जनपद में 6 से अधिक भालू सक्रिय दिख रहे हैं। हालांकि यह संख्या इससे भी अधिक हो सकती है। बावजूद भालू के हमले से लोगों को जागरूक और बचाया जा सके, इसके लिए वन विभाग ने कई जगहों पर लोगों को जागरूक करने का अभियान चलाया है। भालू का स्वभाव आदमखोर नहीं होता है किंतु वह मानव को क्षति पहुंचा सकता है। एक भालू एक दिन में करीब 10 किमी. तक भ्रमण कर सकता है। उप वन संरक्षक रजत सुमन ने बताया कि अब तक 168 जगहों पर जागरूकता गोष्ठी आयोजित की गई है, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों को जागरूक किया गया है। बताया कि भालू को अब तक शीतनिंद्रा में चला जाना चाहिए था किंतु भालू की सक्रियता चिंता का कारण है। भालू का जून से अक्टूबर तक मीटिंग सीजन रहता है, जबकि शीतनिंद्रा में ही भालू बच्चों को जन्म देता है किंतु इस बार नवम्बर खत्म होने पर भी भालू की सक्रियता से लोगों को जागरूक रहने की जरूरत है।

ग्रामीण पटाखे, कंटर बजाकर भगा रहे भालू

चमोली : भालुओं को भगाने के लिए लोग पटाखे फोड़ रहे हैं और कंटर बजा रहे हैं। ऊंची आवाज तथा सीटी बजा कर भी भालुओं को भगा रहे हैं। भालुओं का इतना खौफ है कि रातों को जाग कर ग्रामीण समूहों में इकट्ठा होकर पहरेदारी तक करने को मजबूर हैं। वन विभाग ने भालुओं के आवागमन के प्रभावित गांवों और इससे लगे इलाकों में गश्त बढ़ा दी है। बदरीनाथ वन विभाग के डीएफओ सर्वेश कुमार दूबे ने बताया कि जिस क्षेत्र में भालुओं के आने की सूचना मिल रही है। वहां तत्काल वन विभाग की गश्ती टीम भेजी जा रही है। वन विभाग की टीम भी फायर पटाखे जलाकर भालुओं को आबादी इलाकों से भगा रही है।

यूकेडी ने वन मंत्री के खिलाफ किया प्रदर्शन, बर्खाख्त करने की मांग

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : गढ़वाल वन प्रभाग की विभिन्न रेंजों में लगातार हो रहे गुलदार के हमलों पर उत्तराखंड क्रांति दल ने आक्रोश जताया है। शनिवार को यूकेडी के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने एडीएम से मुलाकात कर जल्द गुलदार के आतंक से निजात दिलाने की मांग की। यूकेडी कार्यकर्ताओं ने वन मंत्री के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए सुबोध उनियाल को पद से बर्खास्त करने की मांग की। शनिवार को यूकेडी के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने एडीएम से मुलाकात की। इस दौरान यूकेडी के युवा प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष अर्जुन नेगी ने कहा कि जिले में कई गांवों में गुलदार का आतंक बना हुआ है। आए दिन गुलदार के आतंक से ग्रामीण अपनी जान गंवाने को मजबूर है। कहा कि हर दिन गुलदार के हमलों की घटनाएं सामने आ रही है, लेकिन प्रदेश के वन मंत्री सुबोध उनियाल आज तक एक भी पीड़ित परिवार से मिलने नहीं आए और नाही किसी घटना स्थल का उन्होंने निरीक्षण किया। उन्होंने वन मंत्री व सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की। उन्होंने कहा कि सरकार को वन मंत्री सुबोध उनियाल को तत्काल मंत्री पद से बर्खास्त कर देना चाहिए। यूकेडी कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि जल्द ही गुलदार के आतंक से निजात दिलाने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए जाने पर उग्र आंदोलन किया जाएगा। वहीं, एडीएम अनिल गर्ब्याल ने कहा कि गुलदार के आतंक से निजात दिलाने के लिए वन विभाग लगातार गश्त कर रहा है। प्रभावित इलाकों में पिंजरा लगाने के साथ ही ग्रामीणों को जागरूक भी किया जा रहा है। इस मौके पर यूकेडी के ब्लाक अध्यक्ष गौरव चंदोला, विकास भंडारी, नीमा भंडारी, पूनम सिंह, शुभम, मदन सिंह आदि शामिल थे।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री मिष्टी नेगी का पोस्ट ऑफिस में सुकन्या धन योजना का खाता है। जिसमें मेरी पुत्री का नाम ईशानी नेगी दर्ज हो गया है। जबकि मेरी पुत्री के अन्य अभिलेखों में पुत्री का नाम मिष्टी नेगी दर्ज है। अतः मेरी पुत्री के सुकन्या धन योजना खाता में मेरी पुत्री का नाम मिष्टी नेगी दर्ज किया जाए।

सतीश सिंह नेगी पुत्र स्व. वीरेन्द्र सिंह निवासी ग्राम झण्डीचौड़ पश्चिमी, पोस्ट ऑफिस झण्डीचौड़, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

(1519/21)

एक नजर

मॉडल व भाषण में यमकेश्वर ने मारी बाजी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान चड़ीगांव में आयोजित एक दिवसीय जिला स्तरीय सामाजिक विज्ञान महोत्सव संपन्न हो गया है। जिसमें मॉडल, भाषण व क्विज प्रतियोगिता में 15 विकासखंडों के 45 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। मॉडल व भाषण प्रतियोगिता में यमकेश्वर ब्लाक का दबदबा रहा। जबकि क्विज प्रतियोगिता में पौड़ी ने बाजी मारी। विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

लंदन में रहने वाले राज स्कूली बच्चों को देंगे स्कॉलरशिप और लैपटॉप

उत्तरकाशी। उत्तराखंड मूल के लंदन निवासी प्रमुख व्यवसायी राज भट्ट ने अपने गृह क्षेत्र की शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में सराहनीय पहल की है। शनिवार को उन्होंने गुंदियाट गांव स्थित इंटर कॉलेज का दौरा कर विद्यालय की आवश्यकताओं का जायजा लिया और विद्यालय व छात्रों के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। राज ने कॉलेज के लिए एक कंप्यूटर, बॉयज़ के लिए यूरिनल, एक डिजिटल बोर्ड उपलब्ध कराने की घोषणा की। साथ ही उन्होंने मेधावी व जरूरतमंद छात्रों की शिक्षा के लिए भी बड़ा सहयोग दिया। उन्होंने कक्षा 11वीं की काजल वर्मा की नीट परीक्षा तैयारी की फीस, एक लैपटॉप और ढाई हजार रूपये की स्कॉलरशिप देने का वादा किया। 10 वीं के धनवीर को ढाई हजार रूपये की स्कॉलरशिप देने की घोषणा की। वंही 12वीं की देविका और श्रुति को इंटर में अच्छे अंक लाने पर लैपटॉप व भविष्य में मेडिकल की तैयारी हेतु सहयोग देने की घोषणा की। इसके अलावा 12वीं कक्षा के अभय प्रसाद की आगे की पूरी शिक्षा का खर्च स्वयं वहन करने का आश्वासन दिया। विद्यालय के प्रधानाचार्य देवेंद्र सजवाण तथा शिक्षक कवीन्द्र चौहान, नितिन रावत, ओमप्रकाश नेगी ने राज के इस योगदान की सराहना की।

सिनेमा फ्रेंडली स्टेट के रूप में उभर रहा उत्तराखंड: डॉ.उपाध्याय

देहरादून। फिल्म निर्माण के लिए उत्तराखंड अब केवल एक लोकेशन–स्टेट नहीं रहा, बल्कि एक ऐसा प्रोडक्शन फ्रेंडली प्रदेश बनता जा रहा है। उत्तराखंड के हालिया प्रयोगों से फिल्म निर्माण सेक्टर काफी प्रोत्साहित हुआ है। शनिवार को गोवा में अंतराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल 2025 में उत्तराखंड पर केंद्रित सत्र में यह बात उभर कर आई। उत्तराखंड फिल्म विकास परिषद के जेसीईओ व नोडल अधिकारी डॉ. नितिन उपाध्याय ने मुख्य वक्ता के रूप में राज्य की फिल्म नीति–2024 की विस्तार से जानकारी दी। कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में लागू की गई राज्य की नई फिल्म नीति के परिणाम सामने आने लगे है। फिल्म परिषद द्वारा सिंगल विंडो ऑनलाइन शूटिंग परमिशन सिस्टम, सब्सिडी संरचना और स्थानीय युवाओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम, 0 शूटिंग प्रक्रियाओं का सरल, तेज और पारदर्शी होना निर्माताओं के लिए आकर्षण का केंद्र है। राज्य सरकार अपनी क्षेत्रीय भाषाओं को लेकर भी संवेदनशील है और उनके लिए भी हर स्तर पर सहयोग दिया जा रहा है।

निर्देशक यशस्वी जुयाल ने कहा कि उत्तराखंड अपनी प्राकृतिक सुंदरता, बेहतरीन लोकेशन और फिल्म–फ्रेंडली वातावरण के कारण आज देश दुनिया के सिनेमा में उभरता हुआ महत्वपूर्ण केंद्र बन रहा है। अभिनेता प्रियांशु पैन्यूली, बीबीएफपी के सीईओ अरफी लांबा ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय प्रोडक्शन कंपनियाँ भारत के रिबेट सिस्टम और विविध लोकेशन्स की वजह से यहां तेजी से आ रही हैं, और इस दिशा में उत्तराखंड एक अत्यंत आकर्षक विकल्प बनकर उभर रहा है।

सीटू ने चार श्रमिक संहिताओं को लागू करने का किया विरोध

देहरादून। सेन्टर आफ इंडियन ट्रेड यूनियन (सीटू) के अस्थाई इंदिरा मार्केट स्थित कार्यालय में शनिवार को बैठक आयोजित की गई। इसमें पदाधिकारियों ने केन्द्र सरकार की चार श्रमिक संहिताओं को लागू करने का विरोध किया। वक्ताओं ने कहा कि इन इन संहिताओं के चलते श्रमिकों के उत्पीड़न में तेजी आएगी और मालिकों के जुल्म बढ़ेंगे। इसके अलावा सरकार से आंगनबाड़ी वर्करों की दस सूत्रीय मांगों को पूरा करने की मांग की गई। जिलाध्यक्ष एस एस नेगी ने कहा कि करीब एक साल पूर्व पूर्व मुख्यमंत्री ने आंगनबाड़ी यूनियन के प्रतिनिधिमंडल से वार्ता की थी। उस दौरान मानदेय कम से कम प्रतिमाह 26 हजार रुपये करने, पदोन्नति, भविष्य निधि की सुविधा देने समेत अन्य मांगों को प्रमुखता के साथ उठाया गया था।

श्रम संहिताओं के अनुपालन को सरकार कटिबद्ध : धामी

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि श्रम सुधारों से देश के कार्यबल में नए युग का शुभारंभ हुआ है। आत्मनिर्भर भारत के संकल्प के लिहाज से चार श्रम संहिताओं को लागू किया जाना एक महत्वपूर्ण फैसला है। इसके दूरगामी सार्थक परिणाम निकलेंगे। उन्होंने कहा है कि राज्य सरकार श्रम संहिताओं के अनुपालन के लिए कटिबद्ध है। उन्होंने श्रम सुधारों के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार प्रकट किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश में नई कार्य संस्कृति ने स्थान पाया है। नई नीतियों का निर्धारण देश को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा है कि पूर्व के श्रम कानूनों से असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों का एक बड़ा वर्ग बाहर था। वहीं इनके लिए सामाजिक सुरक्षा का भी अभाव था। न्यूनतम वेतन का प्राविधान भी चुनिंदा क्षेत्रों तक ही सीमित था। इन श्रम कानूनों से व्यापारिक सुगमता भी प्रभावित हो रही थी। विदेशी निवेश पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा था। इंस्पेक्टर राज की व्यवस्था से व्यापार एवं उद्योगों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा था। इस दृष्टिकोण से भारत सरकार ने श्रम सुधार कर ऐतिहासिक कदम उठाया है। उन्होंने कहा है कि नए कानून के प्रावधान श्रमिकों के हितों की मजबूती से रक्षा करते हैं। कहा कि सभी के लिए न्यूनतम और समय पर वेतन, नियुक्ति पत्र की अनिवार्यता जैसे प्राविधान अभूतपूर्व हैं। श्रम सुधार 40 करोड़ श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। महिला श्रमिकों को समान अवसर और समान वेतन के साथ ही रात्रि पाली में काम करने की स्वतंत्रता प्रदान की गई है, जो कि नारी शक्ति को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बड़ा फैसला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि निश्चित अवधि के कर्मचारियों को एक वर्ष की सेवा के बाद ग्रेच्युटी, श्रमिकों के लिए निःशुल्क वार्षिक स्वास्थ्य जांच की अनिवार्यता, जोखिम भरे कार्य क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिकों के लिए सौ प्रतिशत स्वास्थ्य सुरक्षा जैसे प्राविधान बेहद अहम हैं। उन्होंने कहा है कि श्रम सुधारों से राज्य में जहां श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा के साथ-साथ बेहतर कार्य वातावरण मिलेगा, वहीं व्यवसाय एवं उद्योगों में अनुकूल वातावरण मिलने से कार्य सुगमता होगी। उन्होंने कहा है कि इन श्रम कानूनों से राज्य के श्रमिक एवं उद्योग दोनों ही पक्ष लाभान्वित होंगे।

संस्कृति ज्ञान परीक्षा का हुआ आयोजन

नई टिहरी : अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में राजकीय महाविद्यालय नरेंद्रनगर में भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा 2025 का आयोजन किया गया। जिसमें महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्साह पूर्वक प्रतिभाग किया। परीक्षा के संयोजक जितेंद्र कुमार नौटियाल ने कहा कि यह परीक्षा नेपाल सहित भारत के बाईस राज्यों में नौ भाषाओं में पिछले इक्कीस वर्षों से प्रतिवर्ष आयोजित हो रही है। जिसमें लगभग एक लाख से अधिक विद्यार्थी सम्मिलित होते हैं। इस परीक्षा के माध्यम से राष्ट्र की भावी पीढ़ी को सांस्कृतिक, नैतिक व राष्ट्रीय मूल्यों से जोड़ने के प्रयास किए जाते हैं। भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा 2025 के लिए महाविद्यालय के पैंतीस विद्यार्थी पंजीकृत रहे। यह परीक्षा महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. प्रणीता नन्द के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। जिसमें डॉ. सोनी तिलारा, डॉ. रंजीता जौहरी, डॉ. संजय महर, सोनिया सैनी, भूपेंद्र आदि का योगदान रहा।

चरस तस्कर को 15 माह का सश्रम कारावास

नई टिहरी : विशेष न्यायाधीश (एनडीपीएस एक्ट)/जिला एवं सत्र न्यायाधीश अमित कुमार सिरोही की अदालत ने चरस तस्कर को एनडीपीएस (स्वापक औषधि और मनः प्रभावी पदार्थ अधिनियम) एक्ट का दोषी करार देते हुए 15 माह सश्रम कारावास और 12 हजार रुपये अर्थदंड लगाया है। अर्थदंड जमा न करने पर अभियुक्त को तीन माह अतिरिक्त समय जेल में बिताना होगा। 20 नवम्बर 2022 को थाना नरेंद्रनगर की जाजल चौकी के एसआई ने चेकिंग अभियान के दौरान एक बस को रोका। जिसमें एक संदिग्ध व्यक्ति बालकनाथ पुत्र मत्रू नाथ निवासी भूपतवाला हरिद्वार मिला। उसके कब्जे से पुलिस ने 500 ग्राम अवैध चरस बरामद की। पूछताछ में उसने बताया कि चरस वह बूढ़ाकेदार घनसाली से विक्रम नाम के व्यक्ति से खरीद कर लाया है। पुलिस अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। थाना पुलिस ने 2 फरवरी, 2023 को चार्जशीट कोर्ट में पेश की। मामले में जिला शासकीय अधिवक्ता स्वराज्य सिंह पंवार ने पैरवी करते हुए 12 गवाह और 19 कागजी दस्तावेज प्रस्तुत करते हुए कहा कि युवाओं को नशे की गिरफ्त में लाने के लिए अभियुक्त चरस तस्करी का कार्य करता है। ऐसे में उसे कठोर सजा दी जाए। अभियोजन और बचाव पक्ष की दलीलें, प्रयोगशाला रिपोर्ट और गवाहों के बयान पर बीते शुक्रवार को विशेष न्यायाधीश (एनडीपीएस एक्ट)/जिला एवं सत्र न्यायाधीश अमित कुमार सिरोही की अदालत ने अभियुक्त को 15 माह के सश्रम कारावास और 12 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। (एजेंसी)

उत्तरकाशी में कांग्रेस को मजबूत बनाया जाएगा: रावत

उत्तरकाशी। कांग्रेस के नव नियुक्त जिलाध्यक्ष सुमन प्रदीप रावत ने शनिवार को विधिवत अपना पदभार संभाला। रावत ने कहा कि बतौर जिलाध्यक्ष संगठन को मजबूत बनाने के लिए कार्यकर्ताओं के साथ एकजुट होकर कार्य किया जाएगा। इस दौरान उन्होंने प्रदेश सरकार पर धराली आपदा प्रभावितों की उपेक्षा का आरोप भी लगाया और कहा कि आपदाग्रस्त क्षेत्र पुनर्निर्माण और पुनर्वास की दिशा में सरकार पूरी तरह फेल साबित हुई है। शनिवार को जिला मुख्यालय स्थित पार्टी कार्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए जिलाध्यक्ष प्रदीप रावत ने कहा कि सरकार धराली आपदा प्रभावितों की सुध लेना भूल गई है। सरकार सीमांत गांव नेलांग और जादुंग जैसे गांवों को बसाने की बात करती है, लेकिन आपदाग्रस्त धराली गांव के पुनर्वास की दिशा में सरकार ने कोई कदम नहीं उठाया है। जो सरकार खुशहाल गांव को नहीं बसा सकती, उस सरकार से सीमांत गांवों के विकास की उम्मीद नहीं की जा सकती। धराली में लाशों के ऊपर सरकार ने यात्रा शुरू की, लेकिन लापता लोगों का पता नहीं लगा सकी। गंगोत्री–यमुनोत्री हाईवे से लेकर आंतरिक सड़कों पर चलना मुश्किल बना हुआ है। अस्सी गंगा घाटी के गंगोरी–डोडीताल मार्ग की हालत में सुधार न होने से आज भी वहां एबुलेंस नहीं जा पाती। जिससे प्रसव पीड़िताओं और बीमार लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि जल्द ही सड़कों के लिए सड़क पर उतर कर धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

डॉ. मिश्रा को मिला आंबेडकर रत्न अवार्ड

रुद्रप्रयाग : हाल ही में उतराखंड राज्य की रजत जयंती वर्ष पर डा. शिव लाल मिश्रा को दलित साहित्य अकादमी के प्रदेश अध्यक्ष प्रो. जयपाल सिंह ने गोपेश्वर में आयोजित एक विशेष सम्मान समारोह में डा. आंबेडकर उत्तराखंड रत्न अवार्ड 2025 से सम्मानित किया है। उनके सम्मानित होने पर अनेक लोगों ने खुशी जताई है। समारोह में अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष मुकेश कुमार, डा. जसवंत सिंह, डा. सूर्यप्रकाश, सेवानिवृत सीडीओ दिलीप चंद्र आर्य, धनपती शाह, सेवा निवृत प्रधानाचार्य गिरीश चंद्र आदि की मौजूदगी में गोपेश्वर के अनेक प्रबुद्ध नागरिकों की मौजूदगी में डा. मिश्रा को सम्मानित किया गया। उन्होंने सम्मान मिलने के बाद प्रो. जयपाल सिंह सहित गोपेश्वर के अनेक प्रबुद्ध जनों का आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया।

आर्मी पब्लिक स्कूल में कंप्यूटर लैब व स्मार्ट क्लासरूम का उद्घाटन

जयन्त प्रतिनिधि।

लैंसडौन : आर्मी पब्लिक स्कूल लैंसडौन में शनिवार को नए कंप्यूटर लैब व स्मार्ट क्लासरूम का उद्घाटन किया गया। यह आधुनिक कंप्यूटर लैब आईसीआईसीआई फाउंडेशन एवं इंटरैक्टिव फ्लैट पैनल से सुसज्जित क्लासरूम रोटरी क्लब के सौजन्य से स्थापित किए गए हैं। स्मार्ट क्लासरूम का उद्घाटन रोटरी क्लब के विनय खेतावत, विकास गोयल, किशोर बंग ने किया। तत्पश्चात कंप्यूटर लैब का उद्घाटन विद्यालय के चेयरमैन ब्रिगेडियर विनोद सिंह नेगी, वीएसएम, कमांडेंट जीआरआरआरसी ने किया। विद्यालय के चेयरमैन के विशेष प्रयासों एवं मार्गदर्शन से यह तकनीकी उन्नयन संभव हो सका है। इस महत्वपूर्ण तकनीकी सुविधा से विद्यार्थियों में शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया और अधिक प्रभावी होगी तथा विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर में उल्लेखनीय सुधार की उम्मीद है। ऑडियो-विजुअल शिक्षण के माध्यम से छात्रों को आधुनिक एवं रोचक तरीकों से ज्ञान प्राप्त होगा। प्रधानाचार्य विजेंद्र दत्त सुंदरियाल ने विद्यालय परिवार की ओर से विद्यालय के चेयरमैन, रोटरी क्लब एवं आईसीआईसीआई फाउंडेशन का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

जिपं बजीरा सीट पर उप चुनाव में नीता देवी जीती

रुद्रप्रयाग : रुद्रप्रयाग जिला पंचायत की रिक्त चल रही बजीरा सीट पर हुए उप चुनाव में भाजपा समर्थित प्रत्याशी नीता देवी ने 1111 मतों से जीत दर्ज कर ली है। उन्होंने कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी नीलम देवी को चुनाव में परास्त किया। भाजपा-कांग्रेस के बीच इस सीट के लिए कड़ी टक्कर चल रही थी। ऐसे में भाजपा ने जीत पाते ही सभी मतदाताओं का आभार व्यक्त किया और इसे मतदाताओं की जीत बताया। शनिवार सुबह जखोली ब्लॉक में रिर्टनिंग ऑफीसर खुशवंत सिंह चौहान की देखरेख में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच उप चुनाव की मतगणना शुरू हुई। करीब ढ़ाई घंटे में परिणाम भी घोषित कर दिया गया। रिटर्निंग ऑफीसर खुशवंत सिंह चौहान ने विजेता नीता देवी को जीत का प्रमाण पत्र जारी किया। बजीरा सीट से हुए उप चुनाव में भाजपा समर्थित प्रत्याशी नीता देवी को 2532 मत मिले जबकि कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी नीलम देवी को 1421 मत मिले। कुल 4013 मतदाताओं ने वोट किए, जिसमें 3953 मत वैध पाए गए है जबकि 60 मत रद्द पाए गए। इधर, विजय के बाद नीता देवी ने सभी मतदाताओं का आभार जताया। भाजपाईयों ने जीत के बाद जखोली में विजय जुलूस निकाला। (एजेंसी)

पुरोला में 1.7 लाख की स्मैक और चरस पकड़ी

उत्तरकाशी। पुरोला पुलिस टीम ने दो अलग–अलग मामलों में स्मैक व चरस के साथ दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। अभियुक्तों से पकड़ी गई 3.87 ग्राम स्मैक और 253 ग्राम चरस की अंतर्राष्ट्रीय बाजार कीमत करीब 1.7 लाख रुपये आंकी गई है। नशा तस्करों पर उत्तरकाशी पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन तथा नशामुक्त अभियान के अतंर्गत थानाध्यक्ष पुरोला दीपक सिंह रावत के नेतृत्व में पुरोला पुलिस की टीम ने अलग–अलग स्थानों पर चेकिंग की। जहां चेकिंग के दौरान पुरोला–मोरी रोड़ कूड़ा डंपिंग जोन के पास से 22 वर्षीय प्रतीक रावत पुत्र स्व. लक्ष्मण सिंह को 3.87 ग्राम स्मैक व देवलसारी सौली बैरियर के पास से 36 वर्षीय सत्यपाल पुत्र शूरवीर सिंह को 253 ग्राम अवैध चरस के साथ गिरफ्तार किया गया।

गुलदार ने छः बकरियों व एक बछड़े को बनाया निवाला

नई टिहरी : जौनपुर विकासखंड के दसज्यूला पट्टी के ग्राम मथलाऊ मे गुलदार ने छः बकरियां व एक गाय के बछड़े को अपना शिकार बनाया है। मथलाऊ ग्राम निवासी विक्रम सिंह रावत, प्रेम सिंह रावत, सरोपी देवी व प्रताप सिंह रावत ने जानकारी देते हुए बताया कि बीते शुक्रवार को वह अपनी मवेशियों को जंगल में चुगाने गए थे, तभी अचानक झाड़ियों में छुपे गुलदार ने उनकी बकरी को निवाला बना दिया। गुलदार ने एक हफ्ते में चार परिवारों की छः बकरियां व एक बछड़े को अपना निवाला बनाया है। बताया कि गुलदार अन्य बकरियों को मार डालता, लेकिन तब तक पशु चुगाने गए अन्य लोगों ने शोर मचाया। जिसके बाद अन्य पशुओं की जान बच पाई। इस संबंध में ग्राम प्रधान पूलम सिंह रावत ने वन विभाग से मांग की है कि प्रभावित परिवारों को मानक अनुसार मुआवजा राशि प्रदान की जाय। उन्होंने प्रभावित क्षेत्र में पिंजरा लगाए जाने की मांग भी की है। इस संबंध में रेंज अधिकारी जौनपुर लतिका उनियाल का कहना है कि पीड़ित परिवारों से 24 घंटे के अंदर सूचना प्राप्त होने पर तत्काल मुआवजा राशि मानक के अनुसार दी जायेगी। (एजेंसी)

रवांई शरदोत्सव मेले में उत्तराखंड और हिमाचल के लोक गायक देंगे प्रस्तुति

उत्तरकाशी। नगर पालिका द्वारा बड़कोट में आगामी 27 नवंबर से 3 दिसम्बर तक होने वाले रवांई शरदोत्सव एवं विकास मेले के कार्यक्रम तय कर दिए गए हैं। मेले में जहां विभिन्न आकर्षक मनोरंजन के साधन उपलब्ध होंगे, वहीं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के तहत पहले ही दिन से धमाकेदार शुरुआत होने जा रही है।

बड़कोट नगर पालिका द्वारा मेले के तय कार्यक्रम के अनुसार 27 नवंबर को मेले का विधिवत शुभारंभ होगा तथा सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रमों के तहत पहले दिन उत्तरखंड के प्रसिद्ध जागर गायक प्रीतम भरतवाण की धमाकेदार प्रस्तुति होगी। 28 नवंबर को लोक गायक अरुण जस्ता, मनोज सागर व दीपक चौहान के कार्यक्रम होंगे। 29 नवंबर को प्रसिद्ध जौनसारी लोक गायक अज्जू तोमर व अजय चौहान अपनी प्रस्तुति देंगे। 30 नवंबर को लोक गायिका रेशमा शाह और लोक रजनीकांत सेमवाल अपनी प्रस्तुति देंगे। 1 दिसम्बर को हिमाचली लोक गायक कुलदीप शर्मा की धमाकेदार प्रस्तुति, 2 दिसम्बर को उत्तराखंड के प्रसिद्ध लोक गायक नरेंद्र सिंह नेगी अपने गीतों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेंगे तथा 3 दिसम्बर मेले के आखरी दिवस पांडवाज बैंड की शानदार प्रस्तुति होगी। वहीं मेले में मुख्य आकर्षण समुद्री जलपरी, बच्चों की पानी की ट्रेन आदि मनोरंजन के साधन उपलब्ध होंगे। सांस्कृतिक समारोह के अन्तर्गत लोक कलाकारों एवं विभिन्न विद्यालयों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजना, खेल प्रतियोगिता के अन्तर्गत वॉलीबाल, कबड्डी एवं रस्साकस्सी का आयोजन, रवांई घाटी की वेशभूषा पर विशेष फैशन शो, रवांई घाटी के प्रसिद्ध साहित्यकारों के द्वारा रवांल्टी भाषा में कवि सम्मेलन, रवांई घाटी के स्थानीय लोक कलाकार जयदेव राणा, सुन्दर प्रेमी, सुरेश भवानी, गजेन्द्र रावत, राज सावन, मुकेश जोक्टा आदि द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति, स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत निबन्ध व चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन तथा मेला समापन समारोह के अवसर पर विजेता व उपविजेता दलों एवं प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण किया जाएगा।

कांग्रेस का रेंजर्स ग्राउंड से संडे मार्केट हटाने को प्रदर्शन

देहरादून। कांग्रेस और व्यापारियों ने रेंजर्स ग्राउंड में लगने वाले संडे मार्केट को बंद किए जाने की मांग को लेकर जिलाधिकारी कार्यालय में प्रदर्शन किया। उन्होंने उप जिलाधिकारी के माध्यम से जिलाधिकारी को ज्ञापन प्रेषित किया। शनिवार को पूर्व विधायक राजकुमार के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने एसडीएम हरि गिरी से मुलाकात की और रेंजर्स ग्राउंड में लगने वाले संडे मार्केट को बंद किए जाने की मांग की। राजकुमार ने कहा कि इससे स्थानीय व्यापारियों को नुकसान हो रहा है और उनका कारोबार प्रभावित हो रहा है। कहा कि संडे बाजार रेंजर्स ग्राउंड में लगवाया जाता है। जिससे व्यापारी लोग अपनी गाड़ियां सड़क पर खड़ी करते हैं।

सफाई कर्मचारी हटाने पर धरना प्रदर्शन

देहरादून। दून मेडिकल कॉलेज में सफाई कर्मचारियों को हटाए जाने के विरोध में कर्मचारियों ने मोर्चा खोल दिया है। शनिवार को दून मेडिकल कॉलेज पटेलनगर में कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया और प्राचार्य कार्यालय के बाहर धरना दिया। अखिल भारतीय सफाई मजदूर संघ के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष विशाल बिरला कर्मचारियों के बीच पहुंचे और प्राचार्य एवं ठेकेदार से वार्ता का प्रयास किया। पता चला कि प्राचार्य डॉ गीता जैन छुट्टी चली गई है। यहां मौजूद कर्मचारियों से तीखी नौकझोंक हुई। बिरला ने कहा कि निजी एजेंसी जीडी अजमेरा को प्राचार्य की ओर से चारों परिसर में उपनल के कर्मचारी मिलाकर 161 कर्मचारी और पांच सुपरवाइजरों से काम कराने का आदेश 15 और 20 नवंबर को दिया है। जबकि अभी तक 244 कर्मचारी और 13 सुपरवाइजर काम कर रहे थे।

नया टेंडर सर्फेस के हिसाब से हुआ है, फिर भी कर्मचारी तय किए जा रहे और वह एसओपी के खिलाफ। आरोप लगाया कि इससे प्रबंधन और ठेकेदार की मनमानी उजागर होती है कि ज्यादा भुगतान किया जाए और कर्मचारियों को वेतन कम दिया जाए। केंद्र सरकार की एसओपी के मुताबिक यहां पर करीब 300 कर्मचारियों की जरूरत है। कहा कि यदि एक भी कर्मचारी को हटाया गया तो बड़ा आंदोलन होगा। कहा कि सोमवार तक समाधान न होने पर मंगलवार से हड़ताल होगी। कर्मचारियों का शोषण और प्रबंधन व ठेकदार की मनमानी नहीं चलने दी जाएगी।

इस दौरान रीना, सुनीता, सरिता, सुशीला, देशराज, कुसुम, मीना, निर्मला, रामा, रंबा, रीता, ऋतु, संतोष, शोभावती, सीता, तुसा देवी, विमला देवी आदि मौजूद रहे। सरफेस के हिसाब से ठेका, कर्मचारी कम क्यों? इस नए टेंडर में सबसे बड़ा सवाल यही उठ रहा है कि इसमें सरफेस के हिसाब से भुगतान कॉलेज ठेकेदार को करेगा।

कैनाल बाईपास रोड से गुजरेंगे भारी वाहन

विकासनगर। कैनाल बाईपास का डामरीकरण शुरू हो गया है। शनिवार को विधायक मुन्ना सिंह चौहान ने निर्माण का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि सड़क का निर्माण पूर्ण गुणवत्ता से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि फिलहाल मार्ग निर्माण का प्रथम चरण है। सर्दियों के बाद मार्ग को अंतिम रूप दिया जाएगा। इस मार्ग के निर्माण से विकासनगर बाजार में जाम से मुक्ति मिलेगी। भारी वाहन इसी मार्ग से होकर गुजरेंगे।

कैनाल बाईपास विकासनगर की प्रमुख सड़क है। तमाम भारी वाहन इसी मार्ग से गुजरते हैं। हरबर्टपुर डाकपत्थर कालसी जाने के लिए यह वैकल्पिक मार्ग है, लेकिन वर्षों से इस मार्ग की हालत खराब थी। जिसके कारण लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सड़क निर्माण के लिए कई बार कांग्रेस और आम लोगों ने धरने–प्रदर्शन भी किए। विधायक मुन्ना सिंह चौहान के प्रयास से मार्ग निर्माण के लिए दस करोड़ रुपये काफी पहले स्वीकृत हो चुके थे, लेकिन विकासनगर में पेयजल और सीवर योजना स्वीकृत होने के कारण इस मार्ग का निर्माण नहीं हो सका। क्योंकि मार्ग से होकर भी सीवर और पेयजल लाइन जानी थी। अब, कैनाल बाईपास रोड पर सीवर और पेयजल लाइन का कार्य पूरा हो चुका है तो लोनिवि ने सड़क निर्माण का कार्य भी शुरू कर दिया है। शनिवार को विधायक मुन्ना सिंह चौहान ने लोनिवि अधिकारियों के साथ सड़क निर्माण का निरीक्षण किया।

सपा ने यूपी के पूर्व सीएम मुलायम सिंह यादव को किया याद

देहरादून। समाजवादी पार्टी ने यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की 86वीं जयंती पर उन्हें याद किया। शनिवार को प्रदेश कार्यालय में आयोजित सभा में राष्ट्रीय सचिव सत्यनारायण सचान ने कहा कि मुलायम सिंह यादव यूपी के तीन बार मुख्यमंत्री रहे और अपने पहले कार्यकाल में ही उन्होंने उत्तराखंड निर्माण की नींव डाली थी, वह कहते थे कि हिन्दुस्तान की वास्तविक खुशहाली और तरक्की के लिए सबसे ज्यादा जरूरी मजदूर, किसान, युवा और पिछड़ों का विकास है। समाजवाद और धर्म निरपेक्षता के सिद्धांतों से ही देश महशक्ति बन सकता है। उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ताओं को उनके जीवन से सीख लेकर उनके सिद्धांतों पर चलने की जरूरत है।

संस्कृत नाटक में राइंका आराकोट रहा प्रथम

उत्तरकाशी। श्री विश्वनाथ संस्कृत महाविद्यालय में जनपद स्तरीय संस्कृत स्पर्धा रंगारंग कार्यक्रम के साथ संपन्न हुआ। स्पर्धा में संस्कति समूहगान, नाटक, नृत्य, आशुभाषण, वाद विवाद और श्लोकोच्चारण प्रतियोगिताएं हुई। इसमें संस्कृत नाटक में राजकीय इंटर कॉलेज आराकोट मोरी प्रथम स्थान पर रहा। विश्वनाथ संस्कृत महाविद्यालय में आयोजित जनपदीय स्तरीय संस्कृत स्पर्धा के कनिष्ठ वर्ग में संस्कृत नाटक में राइंका आराकोट मोरी प्रथम, गोपाल विद्या मंदिर द्वितीय, राजेंद्र पब्लिक स्कूल बड़कोट तृतीय स्थान पर रहा।

संस्कृत समूहगान श्री विश्वनाथ संस्कृत महाविद्यालय प्रथम, राइंका आराकोट द्वितीय, सरस्वति विद्या मंदिर ज्येतिपुरम तिलोथ तृतीय स्थान पर रहा। संस्कृत वाद विवाद में सरस्वती संस्कृत विद्यालय जोगथ प्रथम, श्री विश्वनाथ संस्कृत द्वितीय और राइंका फोल्ड तृतीय स्थान पर रहा। संस्कृत आशुभाषण में राइंका जिब्या कोटधार प्रथम, विश्वनाथ संस्कृत द्वितीय, राइंका धौंतरी तृतीय स्थान पर रहा। श्लोकोच्चारण में श्री विश्वनाथ संस्कृत प्रथम, राइंका नेताला द्वितीय और राबाइका चिन्यालीसौड़ तृतीय स्थान पर रहा। वहीं, वरिष्ठ वर्ग की संस्कृत समूहगान में श्री विश्वनाथ संस्कृत महा विद्यालय प्रथम, राइंका चिन्यालीसौड़ द्वितीय और राइंका आराकोट तृतीय स्थान पर रहा। संस्कृत वाद विवाद में श्री विश्वनाथ संस्कृत प्रथम, संस्कृत उच्च माध्यमिक विद्यालय द्वितीय और राइंका जिव्या कोटधार तृतीय स्थान पर रहा। संस्कृत आशुभाषण में सूरज नौटियाल प्रथम, देवेश द्वितीय और दीपिका तृतीय स्थान पर रही।

जयन्त
संस्थापक
नरेन्द्र उनियाल
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक और
सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
द्वारा जयन्त प्रकाशन डिग्री कॉलेज रोड़, जौनपुर कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा जयन्त कार्यालय चन्द्रसिंह गढ़वाली मार्ग, गैरसैंण, जनपद चमोली उत्तराखण्ड से प्रकाशित
RNI No.UTTHIN/2005/16338